दैनिक
बुद्ध का संदेश
हिन्दी समाचार पत्र
एक विश्वास....

लखनऊ, कानपुर, कन्नौज, बरेली, सीतापुर, सोनभद्र, गोण्डा, बाराबंकी, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, अम्बेडकरनगर, फैजाबाद, बस्ती, संतकबीरनगर, गोरखपुर, कुशीनगर, देवरिया, महराजगंज, रामपुर, रायबरेली, सिद्धार्थनगर में एक साथ प्रसारित।

सम्पादक : राजेश शर्मा

सिद्धार्थनगर
शनिवार, 02 मई 2026
वर्षः 13 अंक : 133 पृष्ठः 8
आमंत्रण मूल्य 2/–रुपया

नंदिनी ठाकुर की नए शो में एंट्री, ...8

दैनिक बुद्ध का संदेश 8795951917, 9415163471 @budhakasandesh budhakasandeshnews@gmail.com www.budhakasandesh.com

उत्तर प्रदेश सरकार एवं भारत सरकार (DAVP) से सरकारी विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

महंगाई का वार: कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर 993 महंगा

वैश्विक तनाव और मध्य पूर्व में गहराते भू–राजनीतिक संकट का असर अब भारतीय रसोई और व्यापार पर दिखने लगा है। सरकार ने 19 किलोग्राम वाले कमर्शियल लिक्विफाइड पेट्रोलियम गैस सिलेंडर की कीमतों में 993 की भारी बढ़ोतरी करने का निर्णय लिया है। यह नई दरें तत्काल प्रभाव से लागू हो गई हैं। हालांकि, आम आदमी के लिए राहत की बात यह है कि घरेलू एलपीजी सिलेंडरों (14.2 किग्रा) की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया है।

न्यूज एजेंसी ANI ने सूत्रों के हवाले से बताया, ‌19 किलोग्राम वाले कमर्शियल सिलेंडर की कीमतें आज से 993 बढ़ा दी गई हैं। आज से दिल्ली में 19 किलोग्राम के सिलेंडर की कीमत 3071.50 होगी। घरेलू सिलेंडरों की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है।‌ गौरतलब है कि 28 फरवरी को खाड़ी क्षेत्र में युद्ध जैसी स्थिति बनने के बाद से कमर्शियल LPG सिलेंडरों की कीमतों में कम से कम तीन बार बढ़ोतरी हुई है। सबसे पहले मार्च में कीमतें 144 बढ़ाई गई थीं। इसके बाद 1 अप्रैल को कीमतों में फिर से 195.50 की बढ़ोतरी की गई। हालांकि सरकार ने कहा है कि वह स्थिति पर नजर रखे हुए है और यह सुनिश्चित कर रही है कि वैश्विक बाजारों में अस्थिर हालात को देखते हुए देश के हितों की रक्षा के लिए सभी जरूरी कदम उठाए जाएं, लेकिन कीमतों में लगातार हो रही इस बढ़ोतरी का असर रेस्टोरेंट, भोजनालयों और अन्य संबंधित व्यवसायों पर काफी ज्यादा पड़ा है।

कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमतों पर सियासी भूचाल, राहुल–अखिलेश ने मोदी सरकार पर बोला तीखा हमला

देश में कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में हुई अचानक बढ़ोतरी ने राजनीतिक हलचल तेज कर दी है। विपक्षी दलों ने केंद्र सरकार पर कड़ा प्रहार करते हुए इसे जनता की जेब पर बोझ बताया है। कांग्रेस ने सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि महंगाई बेकाबू होती जा रही है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने इस पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि उन्होंने पहले ही चेतावनी दी थी कि चुनाव खत्म होते ही महंगाई का झटका लगेगा। राहुल गांधी ने क्या कहा?: राहुल गांधी ने इस फैसले की निंदा करते हुए कहा कि कमर्शियल गैस महंगी होने से छोटे दुकानदारों, ढाबा चलाने वालों, हलवाई और बेकरी जैसे कारोबारों पर बुरा असर पड़ेगा। उन्होंने चेतावनी दी कि जब इन व्यापारियों का खर्च बढ़ेगा,

तो इसका सीधा असर आम जनता के खाने की थाली पर होगा। राहुल गांधी ने यह भी आशंका जताई कि आने वाले समय में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में भी इसी तरह की बढ़ोतरी देखी जा सकती है। अखिलेश यादव ने क्या कहा?: समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भी तीखा तंज कसते हुए कहा कि महंगाई सिर्फ एक आंकड़ा नहीं, बल्कि लोगों की जिंदगी की सच्चाई है। उन्होंने कहा कि जो लोग खुद बाजार जाकर सामान नहीं खरीदते, उन्हें आम आदमी की तकलीफ समझ नहीं आती। अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया पर लिखा कि सरकार को बढ़ती कीमतों और बेरोजगारी पर संसद में गंभीर चर्चा करनी चाहिए और इस जनविरोधी कदम के खिलाफ निंदा प्रस्ताव लाया जाना चाहिए।

जनता और छोटे कारोबारियों की बढ़ी चिंता: विपक्ष का मानना है कि लगातार बढ़ती कीमतें मध्यम वर्ग और छोटे व्यापारियों की कमर तोड़ रही हैं। रसोई का बजट बिगड़ने से हर घर में चिंता का माहौल है। हालांकि, सरकार की ओर से अभी तक इस पर कोई विस्तृत सफाई नहीं आई है, लेकिन जिस तरह से विपक्ष एकजुट होकर सवाल उठा रहा है, उससे आने वाले दिनों में यह राजनीतिक मुद्दा और बड़ा रूप ले सकता है।

अब 15 मई तक गंगा एक्सप्रेसवे पर कर सकेंगे मुफ्त में सफर

लखनऊ। प्रदेश सरकार ने गंगा एक्सप्रेसवे को कामर्शियल ऑपरेशन की तिथि से 15 दिन तक टोल–फ्री रखने की घोषणा की है। यूपीडा ने कन्सेशनैयर्स आइआरबी और अदाणी इंफ्रास्ट्रक्चर को टोल वसूली रोकने के निर्देश दिए हैं, जबकि राजस्व नुकसान की भरपाई सरकार करेगी। 594 किलोमीटर लंबे इस एक्सप्रेसवे पर 15 दिनों तक लोग मुफ्त यात्रा कर इसकी गति, गुणवत्ता और सुविधाओं का अनुभव कर सकेंगे। मेरठ से प्रयागराज तक फैला यह प्रोजेक्ट 12 जिलों को जोड़ता है। पीपीपी मॉडल पर बने इस एक्सप्रेसवे में मेंटेनेंस और सुरक्षा मानकों का पूरा ध्यान दिया गया है।

महाकाल की नगरी उज्जैन में खुदाई के दौरान मिला विशालकाय शिवलिंग, हो सकता है 1000 साल पुराना!

मध्य प्रदेश के उज्जैन से एक बड़ी खबर सामने आई है। यहां विश्व प्रसिद्ध महाकालेश्वर

मंदिर परिसर के पास खुदाई के दौरान एक विशाल और प्राचीन शिवलिंग मिला है। यह खोज उस समय हुई जब साल 2028 में होने वाले सिंहस्थ मेले की तैयारियों के लिए मंदिर के विस्तार का काम किया जा रहा था। शुक्रवार सुबह करीब 4 बजे जब मशीन से जमीन समतल की जा रही थी, तभी मिट्टी के नीचे यह शिवलिंग दिखाई दिया।

भक्तों की उमड़ी भीड़ जैसे ही जमीन से शिवलिंग निकलने की खबर फैली, पूरे इलाके में उत्साह का माहौल बन गया। मंदिर के पुजारियों और स्थानीय लोगों ने तुरंत मौके पर पहुंचकर शिवलिंग की पूजा–अर्चना की। फिलहाल खुदाई का काम रोक दिया गया है और सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। बड़ी संख्या में श्रद्धालु इस अद्भुत शिवलिंग के दर्शन करने के लिए वहां जमा हो रहे हैं। कई लोग इसे भगवान महाकाल का शुभ संकेत मान रहे हैं।

एक हजार साल पुराना हो सकता है इतिहास

पुरातत्व विभाग के विशेषज्ञों के अनुसार, शुरुआती जांच में यह शिवलिंग करीब एक हजार साल पुराना ‌परमारकालीन‌ (राजा भोज के समय का) लग रहा है। इंजीनियरों का मानना है कि वहां नंदी और अन्य देवी–देवताओं की प्रतिमाएं भी मिल सकती हैं। इससे पहले मई 2020 में भी इसी तरह की खुदाई में प्राचीन मंदिर के अवशेष और मूर्तियां मिली थीं। अब पुरातत्व विभाग इस शिवलिंग की पूरी सफाई और जांच करेगा ताकि इसके सही समय और ऐतिहासिक महत्व का पता लगाया जा सके।

असम के सीएम की पत्नी द्वारा दर्ज केस में पवन खेड़ा को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत, मिली अग्रिम जमानत

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पवन खेड़ा को शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट से एक बड़ी कानूनी जीत मिली है। शीर्ष अदालत ने असम पुलिस द्वारा दर्ज आपराधिक मानहानि और जालसाजी के मामले में खेड़ा को गिरफ्तारी से पहले जमानत (अग्रिम जमानत) दे दी। यह मामला असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा की पत्नी, रिनिकी भुइयां सरमा द्वारा दर्ज कराई गई एक शिकायत से संबंधित है। सुप्रीम कोर्ट की एक बेंच ने कहा कि खेड़ा और शिकायतकर्ता के पति, दोनों की तरफ से आरोप–प्रत्यारोप लगाए गए हैं। कोर्ट ने यह भी कहा कि किसी व्यक्ति की निजी स्वतंत्रता, जो संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत सुरक्षित है, को खतरे में नहीं डाला जा सकता। खेड़ा को राहत देते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा, ‌इस स्तर पर, हम इस बात से अवगत हैं कि भारत के संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत सुरक्षित

किसी व्यक्ति की निजी स्वतंत्रता को हल्के में खतरे में नहीं डाला जा सकता।‌ जस्टिस जे. के. माहेश्वरी और जस्टिस अतुल चांदुरकर की बेंच ने इस मामले की सुनवाई तब की, जब गुवाहाटी हाई कोर्ट ने खेड़ा की अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी थी। कोर्ट ने निर्देश दिया कि अगर खेड़ा को गिरफ्तार किया जाता है, तो उन्हें जमानत पर रिहा कर दिया जाए। यह जमानत उन उचित शर्तों और नियमों के अधीन होगी, जिन्हें जांच अधिकारी सही समझेंगे। कोर्ट ने खेड़ा को यह भी निर्देश दिया कि वे जांच में सहयोग करें और जब भी जरूरत हो, पुलिस के सामने पेश हों। उनसे यह भी कहा गया है कि वे जांच या ट्रायल के दौरान सबूतों को प्रभावित करने या उनके साथ छेड़छाड़ करने की कोशिश न करें, और सक्षम कोर्ट की पहले से अनुमति लिए बिना देश छोड़कर न जाएं। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा कि ट्रायल कोर्ट को यह अधिकार है कि अगर उसे जरूरी लगे, तो ट्रायल के दौरान वह कोई भी अतिरिक्त शर्तें लगा सकता है। यह मामला खेड़ा के उन आरोपों से जुड़ा है, जिनमें उन्होंने कहा था कि रिनिकी भुइयां सरमा के पास कई विदेशी पासपोर्ट हैं और विदेशों में उनके वित्तीय हित हैं। पिछले हफ्ते, सुप्रीम कोर्ट ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था।

दिल्ली में सुबह की सुहानी ठंड: सामान्य से कम रहा तापमान, गरज के साथ बारिश के आसार

देश की राजधानी दिल्ली में शुक्रवार की सुबह लोगों को गर्मी से थोड़ी राहत मिली। शहर के विभिन्न हिस्सों में हल्की ठंड महसूस की गई, क्योंकि न्यूनतम तापमान सामान्य से नीचे दर्ज किया गया। भारत मौसम विज्ञान विभाग (प्डक) ने अनुमान जताया है कि दिन के दौरान शहर के कुछ हिस्सों में गरज के साथ बौछारें पड़ सकती हैं। शुक्रवार सुबह दिल्ली का औसत न्यूनतम तापमान 22.8 डिग्री सेल्सियस रहा, जो इस मौसम के औसत तापमान से 1.9 डिग्री कम है। स्टेशनवार आंकड़ों के अनुसार, पालम में न्यूनतम तापमान 21.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 4.3 डिग्री कम है, जबकि लोधी रोड में न्यूनतम तापमान 21.8 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य से 1.2 डिग्री कम है। रिज स्टेशन पर न्यूनतम तापमान 20.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 4.6 डिग्री कम है। आयानगर स्टेशन पर न्यूनतम तापमान 21.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 2.2 डिग्री कम है। शहर में अधिकतम तापमान लगभग 40 डिग्री सेल्सियस रहने की उम्मीद है। दिल्ली का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) सुबह नौ बजे 128 दर्ज किया गया, जो मध्यम श्रेणी में है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के समीर ऐप के अनुसार, 41 निगरानी केंद्र मध्यम श्रेणी में थे, जबकि तीन केंद्र संतोषजनक श्रेणी में थे। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार, 0–50 एक्यूआई ''अच्छा'', 51–100 ''संतोषजनक'', 101–200 ''मध्यम'', 201–300 ''खराब'', 301–400 ''अत्यंत खराब'' और 401–500 ''गंभीर'' माना जाता है।

विवादित बयान पर राहुल को इलाहाबाद हाईकोट से मिली राहत, एफआईआर दर्ज करने की याचिका खारिज

कांग्रेस नेता राहुल गांधी को इलाहाबाद हाईकोर्ट से बड़ी

राहत मिली है। अदालत ने उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग वाली याचिका को पूरी तरह खारिज कर दिया है। यह मामला राहुल गांधी द्वारा दिए गए एक पुराने बयान से जुड़ा था, जिस पर शुक्रवार को हाईकोर्ट की एकल पीठ ने अपना फैसला सुनाया। कोर्ट ने पहले ही इस मामले में सुनवाई पूरी कर ली थी और 8 अप्रैल को अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था।

यह विवाद राहुल गांधी के उस बयान से शुरू हुआ था जो उन्होंने 15 जनवरी 2025 को कांग्रेस के नए मुख्यालय इंदिरा भवन के उद्घाटन के दौरान दिया था। याचिकाकर्ता सिमरन गुप्ता ने आरोप लगाया था कि राहुल गांधी का बयान देश के खिलाफ है। उन्होंने पहले संभल की निचली अदालत में शिकायत की थी, लेकिन वहां से अर्जी खारिज होने के बाद उन्होंने इलाहाबाद हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। हाईकोर्ट ने भी निचली अदालत के फैसले को सही माना और याचिका को कमजोर बताते हुए रद्द कर दिया।

राहुल गांधी के कौन से बयान पर हुआ था विवाद?

राहुल गांधी ने अपने भाषण में कहा था कि उनकी लड़ाई सिर्फ भाजपा या आरएसएस से नहीं है, बल्कि इंडियन स्टेट से भी है। उन्होंने आरोप लगाया था कि भाजपा और आरएसएस ने देश की सभी संस्थाओं पर कब्जा कर लिया है, इसलिए यह लड़ाई अब निष्पक्ष नहीं रह गई है। उन्होंने यह भी कहा था कि कांग्रेस की विचारधारा हजारों साल पुरानी है और वे इसी विचारधारा के साथ संघर्ष कर रहे हैं।

आखिर क्यों छिनी गई हरभजन सिंह की सुरक्षा? हाईकोर्ट ने पंजाब सरकार से पूछा सवाल

पूर्व भारतीय क्रिकेटर और राज्यसभा सांसद हरभजन सिंह ने अपनी सुरक्षा वापस लिए जाने के पंजाब सरकार के फैसले के खिलाफ पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। उन्होंने अदालत में याचिका दायर कर अपनी सुरक्षा को फिर से बहाल करने की मांग की है। हरभजन सिंह ने सवाल उठाया है कि आखिर किस आधार पर और किन कारणों से उनकी सुरक्षा को अचानक हटा दिया गया। घर पर हमले और गद्दार लिखे जाने का मामला: अपनी याचिका में हरभजन सिंह ने एक गंभीर घटना का भी जिक्र किया है। उन्होंने बताया कि

कुछ समय पहले उनके घर के बाहर भीड़ ने हमला करने की कोशिश की थी और उनकी दीवार पर ‌गद्दार‌ लिख दिया गया था। उन्होंने अदालत से मांग की है कि इस घटना के जिम्मेदार लोगों पर सख्त कार्रवाई की जाए। हाल ही में आम आदमी पार्टी छोड़कर भाजपा में शामिल होने के बाद से उनकी सुरक्षा और इन घटनाओं को लेकर चर्चा तेज हो गई है। कोर्ट ने सरकार से पूछे तीखे सवाल: हाईकोर्ट ने इस मामले की सुनवाई करते हुए पंजाब और केंद्र सरकार को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। कोर्ट ने सरकार से पूछा है कि सुरक्षा की समीक्षा किस आधार पर की गई और इसे हटाने का फैसला क्यों लिया गया? साथ ही, घर के बाहर ‌गद्दार‌ लिखे जाने पर अब तक क्या कार्रवाई हुई है, इसकी जानकारी भी मांगी गई है। अदालत ने निर्देश दिया है कि अगली सुनवाई तक हरभजन सिंह और उनके परिवार की सुरक्षा पुख्ता की जाए।

मुख्यमंत्री डा.मोहन यादव करेंगे हिंदी पत्रकारिता के 200 साल पर महाविमर्श का शुभारंभ

भोपाल। हिंदी पत्रकारिता के 200 वर्ष पूर्ण होने के ऐतिहासिक अवसर पर माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय और वीर भारत न्यास की संयुक्त पहल पर 'प्रणाम! उदंत मार्तण्ड' शीर्षक से तीन दिवसीय राष्ट्रीय विमर्श 8, 9 और 10 मई 2026 को भारत भवन, भोपाल होगा। शुभारंभ 8 मई को प्रातः 10:30 मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डा.मोहन यादव करेंगें। विषय प्रवर्तन वरिष्ठ पत्रकार एवं पूर्व सूचना आयुक्त श्री उदय माहूरकर करेंगे तथा अध्यक्षता आचार्य मिथिलेशनंदिनीशरण (अयोध्या) करेंगे। सत्रों में राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश, अधिवक्ता एवं लेखक जे. साईं दीपक, वरिष्ठ पत्रकार जे. नंदकुमार, विष्णुप्रकाश त्रिपाठी, नगमा सहर, सईद अंसारी, उदय सिन्हा, अमिताभ अग्निहोत्री, जयंती रंगनाथन, डॉ. ब्रजेश कुमार सिंह, प्रो. कृपाशंकर चौबे, प्रो. सोमा बंदोपाध्याय, विकास मिश्र, प्रफुल्ल केतकर, प्रत्यूष रंजन, डॉ. सी. जयशंकर बाबु, शैलेश पाण्डेय, हितेश शंकर, प्रतीक त्रिवेदी, राशिद किदवई, अनिल पाण्डेय, दिलीप शर्मा, शरद गुप्ता, सलमान रावी के अलावा 'गुल्लक' के लेखक दुर्गेश सिंह भी शामिल होगें।

आत्मनिर्भर लद्दाख की ओर बढ़ते कदम!

अमित शाह ने करगिल में 10,000 लीटर क्षमता वाले डेयरी संयंत्र की रखी आधारशिला

केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख में श्वेत क्रांति को नई ऊंचाई देने के लिए केंद्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को करगिल में 10,000 लीटर प्रतिदिन क्षमता वाले एक आधुनिक डेयरी प्रसंस्करण संयंत्र की आधारशिला रखी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन ‌आत्मनिर्भर भारत‌ के तहत शुरू की गई यह परियोजना लद्दाख के दुर्गम क्षेत्रों में दुग्ध उत्पादकों की आय बढ़ाने और क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में मील का पत्थर साबित होगी।

अधिकारियों ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में ये पहल पेश की गई हैं। इनमें मोबाइल दूध परीक्षण प्रयोगशालाएं, आधुनिक दूध शीतलन प्रणाली और डेयरी अवसंरचना को मजबूत करना शामिल है, ताकि केंद्र शासित प्रदेश में आत्मनिर्भरता को बढ़ावा मिल सके। अधिकारियों ने बताया कि 10,000 लीटर प्रतिदिन क्षमता वाला आधुनिक डेयरी प्रसंस्करण संयंत्र

लगभग 25 करोड़ रुपये की लागत से राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड (एनडीडीबी) की पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी इंडियन डेयरी मशीनरी कंपनी द्वारा स्थापित किया जा रहा है।

यह परियोजना मत्स्य पालन, पशुपालन एवं डेयरी मंत्रालय के राष्ट्रीय डेयरी विकास कार्यक्रम (एनपीडीडी) के तहत लागू की जा रही है, जिसमें 12.74 करोड़ रुपये का अनुदान, 10 करोड़ रुपये की सहायता राष्ट्रीय डेयरी विकास फाउंडेशन से और शेष राशि एलयूटीडीसीएफ फंड के माध्यम से (हिमाचल प्रदेश प्रशासन के जरिये) उपलब्ध कराई जा रही है। यह संयंत्र 350 किलोवाट सौर ऊर्जा आधारित प्रणाली पर चलेगा जिससे ऊंचाई वाले इस क्षेत्र में स्वच्छ तथा टिकाऊ संचालन सुनिश्चित होगा।

दूध संग्रह के लिए आधुनिक मोबाइल 'मिल्क कलेक्शन' एवं 'कूलिंग सिस्टम' स्थापित किया जाएगा जिससे किसानों से सीधे दूध संग्रह, गुणवत्ता संरक्षण और क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। अधिकारियों ने कहा कि ये कदम लद्दाख के डेयरी क्षेत्र के आधुनिकीकरण, किसानों की आय बढ़ाने और खरीद प्रणाली में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के व्यापक प्रयास का हिस्सा हैं। साथ ही बिजली से जुड़ी चुनौतियों को दूर करने, दूध संग्रह को सुव्यवस्थित करने और किसानों को समय पर डिजिटल भुगतान सुनिश्चित करने के उपाय भी किए गए हैं। भारतीय सेना के साथ नियमित दूध आपूर्ति व्यवस्था से इस क्षेत्र में डेयरी गतिविधियों को स्थिर बाजार मिला है जिससे संचालन की विश्वसनीयता बढ़ी है।

अन्तर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस पर श्रमिकों व उनके छात्र छात्राओं को मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष एवं अपर जिलाधिकारी द्वारा किया गया सम्मानित

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोन्डा। गोन्डा जनपद में अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस के अवसर पर जनपद में जिलाधिकारी एवं मुख्य विकास अधिकारी के निर्देशानुसार विभिन्न ग्राम पंचायतों तथा श्रम विभाग के तत्वाधान में श्रमिकों के साथ जिला पंचायत सभागार में मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष घनश्याम मिश्र एवं अपर जिलाधिकारी आलोक कुमार की अध्यक्षता में कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान अटल आवासीय विद्यालय सिसवा मनकापुर में अध्यनरत तथा परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र–छात्राओं एवं श्रमिकों को सम्मानित किया गया।इस अवसर पर महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) के अंतर्गत कार्यरत श्रमिकों को सम्मानित कर उनके योगदान को सराहा गया।जनपद के विभिन्न ग्राम पंचायतों में आयोजित कार्यक्रमों के दौरान मनरेगा श्रमिकों को फूल–माला पहनाकर, अंग वस्त्र भेंट कर तथा मिष्ठान

वितरित कर सम्मानित किया गया। खंड विकास अधिकारियों की उपस्थिति में श्रमिकों को सम्मानित करते हुए उनके परिश्रम और समर्पण की प्रशंसा की गई। कार्यक्रमों में स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों की भी सक्रिय सहभागिता रही। अधिकारियों ने अपने संबोधन में कहा कि मनरेगा श्रमिक ग्रामीण विकास की रीढ़ हैं और उनके परिश्रम से ही गांवों में आधारभूत संरचना मजबूत हो रही है। सड़कों, तालाबों, जल संरक्षण एवं अन्य विकास कार्यों में श्रमिकों की महत्वपूर्ण भूमिका को सराहते हुए उन्हें निरंतर बेहतर कार्य करने के लिए प्रेरित किया गया।कार्यक्रम के दौरान श्रमिकों को विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी भी प्रदान की गई तथा उन्हें योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया गया। साथ ही अधिकारियों ने श्रमिकों से अपील की कि वे अपने कार्यों को पूरी निष्ठा एवं गुणवत्ता के साथ संपन्न करें, जिससे जनपद के विकास को और गति मिल सके। यह आयोजन श्रमिकों के सम्मान और उनके मनोबल को बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल साबित हुआ। कार्यक्रमों में श्रमिकों ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया और प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया। अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस के इस अवसर पर आयोजित सम्मान समारोह ने श्रमिकों के प्रति सम्मान और सहयोग की भावना को और मजबूत किया।कार्यक्रम के दौरान उपश्रमायुक्त देवीपाटन मण्डल गोन्डा अनुभव वर्मा, सहायक श्रमायुक्त गोन्डा मोहम्मद अब्बास, उपायुक्त जिला उद्योग प्रोत्साहन एवं उद्यमिता विकास केंद्र गोन्डा बाबूराम यादव, श्रम प्रवर्तन अधिकारी सत्येंद्र प्रताप,प्रधान सहायक योगेश सिंह, विभिन्न व्यापार मंडल के प्रतिनिधियों के साथ–साथ श्रम विभाग एवं श्रमिकगण सहित अन्य सभी संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

बस्ती की रेलवे समस्याओं को लेकर हरीश द्विवेदी ने रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से की मुलाकात

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। असम प्रभारी एवं पूर्व सांसद हरीश द्विवेदी ने शुक्रवार को नई दिल्ली में रेल, सूचना एवं प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव से शिष्टाचार भेंट कर बस्ती की रेलवे से जुड़ी विभिन्न जनसमस्याओं एवं मांगों को प्रमुखता से उठाया। इस अवसर पर उन्होंने जनपद की जनता की ओर से निम्नलिखित मांगें मंत्री जी के समक्ष रखीं. बस्ती रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म संख्या 1, 2 एवं 3 पर यात्रियों की संख्या को देखते हुए छाजन (शेड) की लंबाई बढ़ाई जाए। प्लेटफार्म संख्या 1 की लंबाई एवं चौड़ाई का विस्तार किया जाए। स्टेशन के पश्चिमी दिशा में स्वी. त फुट ओवर ब्रिज का निर्माण कार्य शीघ्र प्रारम्भ कराया जाए। वर्तमान फुट ओवर ब्रिज संकरा होने के कारण यात्रियों को असुविधा

होती है, अतः इसे चौड़ा एवं आधुनिक बनाया जाए। गोरखपुर से मुंबई के बीच चलने वाली स्पेशल ट्रेन संख्या 01080, जिसे वर्तमान में बंद कर दिया गया है, उसे पुनः संचालित किया जाए। बस्ती–अयोध्या एवं बस्ती–सिद्धार्थनगर नए रेल मार्ग का सर्वे पूर्ण हो चुका है, अतः निर्माण कार्य में शीघ्रता लाई जाए। बस्ती रेलवे स्टेशन का अमृत भारत योजना के अंतर्गत चल रहा कायाकल्प कार्य अत्यंत धीमी गति से चल रहा है, इसे शीघ्र पूर्ण कराया जाए। बस्ती एवं मुंडेरवा में निर्माणाधीन रेलवे ओवरब्रिज के कार्यों को तेज गति से पूरा किया जाए। बभनान रेलवे स्टेशन पर आम्रपाली एक्सप्रेस (15909–10) एवं अवध असम एक्सप्रेस (15707–08) का ठहराव सुनिश्चित किया जाए। गौर रेलवे स्टेशन पर. (क) रेल आरक्षण सुविधा प्रारम्भ की जाए। (ख) यात्रियों हेतु वाटर कूलर की व्यवस्था की जाए। (ग) प्लेटफॉर्म का विस्तार किया जाए। मुंडेरवा रेलवे स्टेशन पर मुंबई के लिए किसी अन्य ट्रेन का ठहराव सुनिश्चित किया जाए। सांसद खेल महाकुंभ के दौरान किए गए अनुरोध के क्रम में रेलवे के किसी पीएसयू के सीएसआर मद से बस्ती स्टेडियम के चारों ओर सिंथेटिक ट्रैक एवं रात्रि खेल हेतु लड लाइट की व्यवस्था कराई जाए। मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सभी मांगों को गंभीरता से सुना और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही हेतु अपने सचिव के माध्यम से निर्देशित किया। हरीश द्विवेदी ने विश्वास व्यक्त किया कि इन मांगों के पूर्ण होने से जनपद बस्ती की जनता को रेलवे सुविधाओं में बड़ा लाभ मिलेगा तथा क्षेत्र के विकास को नई गति प्राप्त होगी।

मजदूर दिवस पर रेड क्रॉस का सराहनीय प्रयास, मजदूरों को राहत सामग्री व जागरूकता

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी, शाखा बस्ती द्वारा मजदूर दिवस के अवसर पर रेलवे स्टेशन स्थित माल गोदाम पर भीषण गर्मी और हीट वेव को देखते हुए मजदूरों को जागरूक किया गया तथा राहत सामग्री वितरित की गई। पुरानी बस्ती रेलवे स्टेशन के माल गोदाम पर सोसाइटी के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने सीमेंट की रैक उतारने वाले

मजदूरों को गर्मी से बचाव के उपाय बताए। साथ ही उन्हें धूप से बचने के लिए गमछा, मास्क, बिस्कुट और पानी वितरित किया गया। नव–चयनित सभापति संतोष सिंह ने मजदूरों को संबोधित करते हुए कहा कि कार्य के दौरान सबसे पहले अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखें। जब आप सुरक्षित रहेंगे, तभी आपका परिवार भी सुरक्षित रहेगा। उपसभापति लक्ष्मीकांत पांडे ने बताया कि सीमेंट की धूल से बचाव बेहद जरूरी है, क्योंकि यह सांस के जरिए फेफड़ों तक पहुंचकर नुकसान पहुंचा सकती है। सचिव रंजीत श्रीवास्तव ने भीषण गर्मी और हीट वेव से बचने के उपाय बताते हुए कहा कि शरीर में पानी की कमी न होने दें, समय–समय पर पानी पीते रहें और सिर को ढककर ही काम करें। इस दौरान कोषाध्यक्ष राजेश कुमार ओझा, कार्यकारिणी सदस्य उमेश श्रीवास्तव, राहुल श्रीवास्तव, सरदार सरबजीत सिंह, आनंद पाटिल, मनोज यादव, इमरान अली सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

जूनियर इन्जीनियर अरुण कुमार पर जानलेवा हमले का मामला गरमायाः धरना देकर किया कार्रवाई की मांग

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। बाढ कार्य खण्ड बलरामपुर में अधिशासी अभियन्ता की उपस्थिति में उनके कक्ष में खण्ड

में कार्यरत जूनियर इन्जीनियर अरुण कुमार, पर विभाग के ही दबंग कर्मियों प्रारूपकार राजेश कुमार और वरिष्ठ सहायक विकास माथुर, अनिल कुमार मिश्र, शैलेन्द्र आदि द्वारा जान लेवा हमले का मामला गरमाता जा रहा है। शुक्रवार को सिविल डिप्लोमा इंन्जीयर्स संघ प्रदेश नेतृत्व के आवाहन पर संघ के अतिरिक्त महासचिव पूर्वी क्षेत्र ई. रवि यादव के नेतृत्व में पदाधिकारियों और अभियन्ताओं ने अधीक्षण अभियन्ता कार्यालय के समक्ष 1 मई मजदूर दिवस को धरना देने के साथ ही डीएम को ज्ञापन भेजा गया। धरने में देवी पाटन मण्डल के मण्डल अध्यक्ष इ. हंसराज, उप महासचिव इ. सुनील, ई. राजमल वर्मा, इ. रामसभार, जितेन्द्र कुमार, रवि कुमार, धर्मेन्द्र दूबे, गुरू प्रकाश सन्त, अविनाश भारती, अमरेन्द्र पटेल, अजीत यादव, भोलेन्द्र यादव, सुभाष सिंह, धर्मेन्द्र, आर.के. सरोज के साथ ही अनेक इंजीनियरों ने जूनियर इन्जीनियर अरुण कुमार के साथ अभद्रता की घटना पर रोष व्यक्त किया। मांग किया कि इस मामले में दोषियों के विरूद्ध तत्काल प्रभाव से कार्यवाही सुनिश्चत किया जाय। जब तक न्याय नहीं मिल जाता चरणबद्ध रूप में आन्दोलन जारी रहेगा।

अलीगढ़वा में औषधि विभाग की छापेमारी, मेडिकल स्टोर से कफ सिरप के सैंपल लिए गए

दैनिक बुद्ध का संदेश

कपिलवस्तु। कपिलवस्तु के अलीगढ़वा कस्बे में बृहस्पतिवार को औषधि विभाग की टीम ने मेडिकल स्टोरों पर सघन जांच अभियान चलाया। ड्रग इंस्पेक्टर के नेतृत्व में हुई इस कार्रवाई से दवा विक्रेताओं में हड़कंप मच गया। कई दुकानदार अपनी दुकानें बंद कर मौके से हट गए। जांच के दौरान टीम ने कस्बा स्थित ए टू जेड मेडिकल एंड जनरल स्टोर पर पहुंचकर संचालक मो. मुकीम से आवश्यक दस्तावेजों की जांच की। इस दौरान दवाओं के रख–रखाव, बिक्री के बिल और रसीदों का भी बारीकी से निरीक्षण किया गया। करीब एक घंटे तक टीम ने अवैध और प्रतिबंधित दवाओं की तलाश की। कार्रवाई के दौरान मेडिकल स्टोर से सात कफ सिरप की शीशियां सैंपल के रूप में लेकर जांच के लिए भेजी गईं। ड्रग इंस्पेक्टर आलोक कुमार त्रिवेदी ने बताया कि अलीगढ़वा में प्रतिबंधित दवाओं की बिक्री की सूचना मिलने पर यह जांच की गई है। उन्होंने कहा कि जांच रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

जिला सहकारी बैंक सिद्धार्थनगर के निदेशक बने हरेंद्र विक्रम सिंह, जोरदार स्वागत

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। सिद्धार्थनगर स्थित जिला सहकारी बैंक मुख्यालय पर आयोजित बोर्ड की महत्वपूर्ण बैठक में सर्वसम्मति से डुमरियागंज विधानसभा क्षेत्र के विकास खंड खुनियाव अंतर्गत ग्राम हथिहवा निवासी हरेंद्र विक्रम सिंह (हरि बाबू) को बैंक का निदेशक मनोनीत किया गया। इस निर्णय पर बैठक में उपस्थित सभी सदस्यों ने एकजुटता दिखाते हुए सहमति जताई। मनोनीत होने के बाद भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष दीपक मौर्य, जिला उपाध्यक्ष विजयकांत चतुर्वेदी, आशीष शुक्ला, जिला महामंत्री फतेह बहादुर सिंह तथा जिला मंत्री अविनाश सिंह सहित अन्य पदाधिकारियों एवं जिला सहकारी बैंक के निदेशक मंडल के सदस्यों ने हरेंद्र विक्रम सिंह को पुष्पगुच्छ व स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया। इस दौरान उपस्थित कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों ने उनका उत्साहवर्धन करते हुए उनके उज्ज्वल कार्यकाल की कामना की।

बुद्ध जयंती का कार्यक्रम धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। जनपद बलरामपुर में त्रिविध पावनी वैशाख पूर्णिमा एवं बुद्ध जयंती का कार्यक्रम धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया बाबा साहेब डॉक्टर भीमराव अम्बेडकर जन्मोत्सव समिति,बलरामपुर के अध्यक्ष/कार्यक्रम संयोजक सुरेन्द्र सिंह गौतम के नेतृत्व में बुद्धा पार्क निकट माया होटल,सिविल लाइन, बलरामपुर में त्रिविध पावनी वैशाख पूर्णिमा एवं बुद्ध जयंती का कार्यक्रम धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया कार्यक्रम का शुभारंभ तथागत गौतम बुद्ध की प्रतिमा पर उपासक–उपासिकाओं द्वारा पुष्पांजलि अर्पित कर एवं दीपदान के साथ हुआ इसके पश्चात एडवोकेट जगदंबा कुलदीप जी द्वारा त्रिशरण एवं पंचशील का पाठ कराया गया, जिससे पूरे वातावरण में आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार हुआ कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉक्टर हरवंश विरदी (लंदन), जो फेडरेशन ऑफ अम्बेडकराइट्स एंड बुद्धिस्ट ऑर्गेनाइजेशन,यू.के.के इंटरनेशनल कोऑर्डिनेटर, विशिष्ट अतिथि रवीन्द्र गुप्ता कमलापुरी गौ सेवक हैं,डीपी सिंह बैस,आदि लोगों विशेष रूप से उपस्थित रहे उन्होंने तथागत गौतम बुद्ध के .

धारण कर बुद्ध धर्म के रूप में तित्व एवं व्यक्तित्व पर आयोजित विचार गोष्ठी को संबोधित करते हुए कहा कि हजारों वर्ष पूर्व दिए गए भगवान बुद्ध के उपदेश आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं उनकी शिक्षाएं मानव जीवन के लिए मार्गदर्शक बन चुकी हैं और वही आगे चलकर धर्म का स्वरूप स्थापित हुईं इस अवसर पर समिति के अध्यक्ष सुरेन्द्र सिंह गौतम ने अपने प्रभावशाली संबोधन में कहा तथागत गौतम बुद्ध के विचार केवल इतिहास नहीं, बल्कि वर्तमान और भविष्य का मार्गदर्शन हैं जब तक मानवता में समानता करुणा और न्याय की आवश्यकता रहेगी,तब तक समिति के महासचिव राजेंद्र चौधरी ने अपने उद्बोधन में सभी आगंतुकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजन समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करते हैं और लोगों को एकजुट करने का कार्य करते हैं आदर्श नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष के प्रतिनिधि डी.पी.सिंह बैस ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया और बुद्ध बुद्ध का धम्म ही समाज को सही दिशा देता रहेगा पूर्व विधायक रामसागर अकेला ने अपने वक्तव्य में कहा कि भगवान बुद्ध का दर्शन सामाजिक न्याय, समानता और भाईचारे का प्रतीक है,जिसे अपनाकर ही समाज में वास्तविक परिवर्तन लाया जा सकता है पूर्णिमा की बधाई दी कार्यक्रम का कुशल संचालन राघवेंद्र विरोदय द्वारा किया गया इस अवसर पर रामसेवक एवं डॉक्टर दीपक ने भी अपने विचार व्यक्त किए तथा उनके द्वारा खीर वितरण किया गया कार्यक्रम को आजाद समाज पार्टी के जिलाध्यक्ष लालजी लहरी एवं गौ सेवक रवीन्द्र गुप्ता कमलापुरी गौ सेवक ने भी संबोधित किया इस अवसर पर माध्यमिक शिक्षक संघ के जिला अध्यक्ष अजय चौधरी,रवीन्द्र गुप्ता कमलापुरी गौ सेवक, सुनील निगम,एम.पी.इंटर कॉलेज की प्रधानाचार्या गीता गौतम,प्रभु नाथ मौर्य,लखराम गौतम,दुर्गेश पासवान,विकास मौर्य,बाबादीन, महाशक्ति वंदना शक्ति,गौतम शक्ति,गोवर्धन थारू,काशीराम पासवान, आदित्य,वितेश सिंह,आशीष अन्वेशा सिंह,रजनीश गौतम, सहित सैकड़ों की संख्या में उपासक–उपासिकाएं उपस्थित रहे अंत में बाबा साहेब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर जन्मोत्सव समिति की ओर से कार्यक्रम में पधारे सभी अतिथियों एवं उपस्थित जनसमूह का हार्दिक धन्यवाद एवं आभार व्यक्त किया गया सम्पूर्ण कार्यक्रम अत्यंत गरिमामय,प्रेरणादायक एवं सफल रहा।

गड्ढे में गिरी बाइक, बरात जा रहे युवक की मौत; दो गंभीर घायल

दैनिक बुद्ध का संदेश

पकड़ी/सिद्धार्थनगर। सिद्धार्थनगर के चिल्हिया थाना क्षेत्र अंतर्गत एनएच–730 शोहरतगढ़ मार्ग पर कटया चौराहे के पास बुधवार देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। निर्माणाधीन पुल के पास बाइक अनियंत्रित होकर गड्ढे में गिर गई, जिससे बाइक सवार राम बेलास (35) की मौत हो गई, जबकि दो अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। जानकारी के अनुसार, मिश्रौलिया थाना क्षेत्र के करौंदा खालसा निवासी राम बेलास अपने रिश्तेदार की बरात में शामिल होने के लिए बनगवा जा रहे थे। उनके साथ बाइक पर दो अन्य लोग भी सवार थे। जैसे ही वे कटया चौराहे के पास निर्माणाधीन पुल के नजदीक पहुंचे, बाइक अनियंत्रित होकर गहरे गड्ढे में जा गिरी। हादसे में तीनों लोग घायल हो गए। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को गड्ढे से बाहर निकालकर एंबुलेंस की मदद से सीएचसी शोहरतगढ़ भेजा गया। वहां डॉक्टरों ने राम बेलास को मृत घोषित कर दिया, जबकि अन्य दोनों घायलों को जिला अस्पताल रेफर किया गया, जहां उनका इलाज जारी है। चिल्हिया थानाध्यक्ष राजेश कुमार ने बताया कि घटना की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची थी। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है तथा वाहन को कब्जे में ले लिया गया है। तहरीर मिलने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। हादसे के बाद मृतक के परिवार में कोहराम मचा हुआ है।

वैश्विक संकट निवारण के लिए किया गया गायत्री महायज्ञ

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर/पचपेड़वा। घर–घर में हम यज्ञ रचाएं, आओ भारत सबल बनाएं ६ इसी कामना से बुद्ध पूर्णिमा के पावन पर्व पर अखिल विश्व गायत्री परिवार, शांतिकुंज (हरिद्वार) के दिशा निर्देश पर मानव में देवत्व का उदय, धरती पर स्वर्ग का अवतरण और विश्वव्यापी संकट निवारण हेतु हजारों घरों में एक साथ गायत्री यज्ञ किया गया. ज्ञातव्य है कि गायत्री परिवार द्वारा प्रत्येक वर्ष बुद्ध पूर्णिमा को एक समय एक साथ करोड़ों घरों में यज्ञ की श्रृंखला 2018 से अनवरत चल रही है। तुलसीपुर से भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा के जनपद बलरामपुर के प्रभारी गुलाबचंद भारती, प्रदीप गोयल , मंजू जायसवाल लखनऊ से

प्रज्ञा जायसवाल, ए .के.त्रिपाठी, बलरामपुर से गायत्री परिवार के ट्रस्टी आद. बिजलेश्वरी जी, डॉ.के. के. राना, रीता जायसवाल, एल. बी. सिंह, अवधेश जायसवाल अयोध्या से उमेश मिश्रा,गैंसडी से ब्लॉक प्रभारी राधे गोविंद गुप्ता, जनपद युवा प्रभारी संदीप जायसवाल, माता प्रसाद गुप्ता, सचिन सोनी,गोंडा से कवियत्री ज्योतिमा शुक्ला, सिद्धार्थनगर से सविता सिंह, राणा प्रताप सिंह, नौतनवां से श्रीमती निर्मला/भोला जायसवाल, इटवा से द्वारपाल चौरसिया पचपेड़वा से गायत्री परिवार पचपेड़वा के ट्रस्टी संजय कुमार जायसवाल, महिला मंडल पचपेड़वा की प्रभारी मीना श्रीवास्तव,आनंद जायसवाल, .ष्ण कुमार पांडे, सीमा अग्रवाल, .ष्णावती जायसवाल, मंजू/मनोज, शशांक, ऋतिक जायसवाल, सुनीता जायसवाल, दुर्गेश गुप्ता (राजू),आरती जायसवाल,जगदंबा अग्रवाल, माया वर्मा सरोज जायसवाल सहित सैकड़ो लोगों ने अपने–अपने घरों मे यज्ञ किया और गायत्री मंत्र तथा महा मृत्युंजय मंत्रो से आहुतियाँ डालीं और वैश्विक संकट निवारण के लिए प्रार्थना की।

सिद्धार्थनगर में नारी शक्ति वंदन अधिनियम पर भाजपा की प्रेस वार्ता, विपक्ष पर साधा निशाना

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। भारतीय जनता पार्टी के जिला कार्यालय पर जिलाध्यक्ष दीपक मौर्य की अध्यक्षता में "नारी शक्ति वंदन अधिनियम" विषय पर प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की मुख्य वक्ता विजयलक्ष्मी गौतम (राज्य मंत्री, ग्राम विकास विभाग) रहीं। प्रेस वार्ता के दौरान उन्होंने कहा कि 16 और 17 अप्रैल को संसद में महत्वपूर्ण विधेयकों का विरोध कर कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, तृणमूल कांग्रेस और डीएमके ने देश की आधी आबादी के साथ विश्वासघात किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि इन दलों ने अपनी महिला–विरोधी मानसिकता को उजागर किया है। राज्य मंत्री ने कहा कि नरेंद्र मोदी ने स्पष्ट किया है कि नीति–निर्माण में महिलाओं की भागीदारी कोई उपकार नहीं, बल्कि उनका स्वाभाविक अधिकार है। भाजपा महिलाओं को उनका अधिकार दिलाने के लिए प्रतिबद्ध है और महिला विरोधी ताकतों के खिलाफ मजबूती से संघर्ष करती रहेगी। उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस और उसके सहयोगियों ने दशकों तक महिलाओं को संसद और विधानसभाओं से दूर रखने का काम किया। अब उन्हें डर है कि महिलाओं को उनका अधिकार मिलने पर उनकी राजनीतिक जमीन खिसक जाएगी। उन्होंने भरोसा दिलाया कि केंद्र सरकार महिलाओं के अधिकारों की रक्षा के लिए लगातार कार्य कर रही है। इस अवसर पर नारी शक्ति वंदन अभियान के प्रमुख संयोजक आशीष शुक्ला, जिला महामंत्री फतेह बहादुर सिंह, पवन मिश्रा, फूलचंद जायसवाल, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष साधना चौधरी, डॉ. सीमा मिश्रा, नगर पंचायत अध्यक्ष शोहरतगढ़ उमा अग्रवाल, महिला मोर्चा जिला महामंत्री अनुपमा सिंह दूबे, सरोज शुक्ला, पूनम जायसवाल, विनीता चतुर्वेदी, प्रतिमा वर्मा सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

शोहरतगढ़ तहसील में बुद्ध पूर्णिमा पर संगोष्ठी व सम्मान समारोह, 60 सामाजिक कार्यकर्ता हुए सम्मानित

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़। तहसील मुख्यालय पर बुद्ध पूर्णिमा के अवसर पर "गौतम बुद्ध का जीवन दर्शन" विषय पर संगोष्ठी एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत गौतम बुद्ध एवं डॉ. भीमराव आंबेडकर के चित्र पर दीप प्रज्ज्वलन व पुष्पांजलि अर्पित कर की गई। मुख्य अतिथि समाजवादी शिक्षक सभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मणेन्द्र मिश्रा ने सामाजिक कार्यों में सक्रिय 37 महिलाओं व 23 पुरुषों को अंगवस्त्र एवं गौतम बुद्ध का पोस्टर देकर सम्मानित किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि गौतम बुद्ध शांति और अहिंसा के महान प्रवर्तक हैं तथा सिद्धार्थनगर के लोग बुद्धभूमि के निवासी होने के कारण सौभाग्यशाली हैं। उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव के नेतृत्व में स्थापित सिद्धार्थ विश्वविद्यालय बुद्ध की ज्ञान परंपरा को आगे बढ़ाने का महत्वपूर्ण प्रयास है, जिसमें माता प्रसाद पांडेय की अहम भूमिका रही। कार्यक्रम में राममिलन भारती, शकील शाह, अरविंद कन्नौजिया, श्यामलाल शर्मा, अजय चौरसिया समेत कई वक्ताओं ने विचार व्यक्त किए। संयोजक गोपाल फौजी ने सभी अतिथियों का आभार जताया। इस दौरान शिवचंद्र भारती, सर्वजीत भारती, अशफाक खान, लक्ष्मी गौतम, रीता गौतम, अजय नारायण सहित अनेक लोग मौजूद रहे।

चिल्हिया में पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण वर्ग का शुभारंभ, कार्यकर्ताओं को दिया गया प्रशिक्षण

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। भारतीय जनता पार्टी के पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान के अंतर्गत शोहरतगढ़ विधानसभा के चिल्हिया मंडल में प्रशिक्षण वर्ग एवं प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन जिलाध्यक्ष दीपक मौर्य द्वारा किया गया। प्रशिक्षण वर्ग के प्रभारी विपिन सिंह रहे, जबकि मुख्य वक्ता के रूप में पूर्व जिलाध्यक्ष लाल जी त्रिपाठी (बाबा), पिछड़ा मोर्चा के क्षेत्रीय अध्यक्ष शिवनाथ चौधरी, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष साधना चौधरी तथा जिला मीडिया प्रभारी रमेश मणि ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए संगठन की नीतियों एवं कार्यप्रणाली पर विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम की अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष रामसेवक चौहान ने की। इस दौरान भाजपा नेता सिद्धार्थ चौधरी, जिला महामंत्री फतेह बहादुर सिंह, आशनारायण सिंह, मुकेश श्रीवास्तव, संजय सिंह, कैलाश पांडे, जिला सह मीडिया प्रभारी प्रभात तिवारी सहित मंडल के सभी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

प्रो. शक्ति जायसवाल सि.वि.वि. की राजनीति शास्त्र विभागीय शोध समिति में सदस्य नामित

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। सिद्धार्थ विश्वविद्यालय कपिलवस्तु के कुलसचिव द्वारा राजनीति शास्त्र विभाग की विभागीय शोध समिति (डीआरसी) का पुनर्गठन किया गया है। नई समिति के सदस्यों की सूची 2 वर्षीय कार्यकाल के लिए चक्रानुक्रम के आधार पर जारी की गई है। इस पुनर्गठन के तहत विश्वविद्यालय से संबद्ध महाविद्यालयों में राजनीति विज्ञान विषय के वरिष्ठ प्राध्यापक प्रो. शक्ति जायसवाल, बुद्ध विद्यापीठ पीजी कॉलेज नौगढ़ को महाविद्यालयों की ओर से समिति का सदस्य नामित किया गया है। विभागीय शोध समिति का मुख्य दायित्व पीएचडी शोधार्थियों के शोध विषयों का चयन करना तथा उनके शोध कार्य को सुचारु एवं सफलतापूर्वक संपन्न कराना होता है। इस समिति में प्रो. सुनीता त्रिपाठी के साथ असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. सरिता सिंह एवं डॉ. अविनाश प्रताप सिंह को भी सदस्य के रूप में नामित किया गया है।

युवती के घर छोड़ने पर बढ़ीं पड़ोसियों की मुश्किलें, पुलिसिया जांच पर सवाल

दैनिक बुद्ध का संदेश

बढ़नी/सिद्धार्थनगर। ढेबरुआ थाना क्षेत्र के नगर पंचायत बढ़नी में एक बालिग लड़की के घर से नाराज़ होकर चले जाने के बाद पूरे मोहल्ले में तनाव का माहौल बन गया है। लड़की के परिजनों द्वारा अन्य लोगों पर संदेह जताते हुए उन्हें डराने–धमकाने और परेशान करने के आरोप सामने आए हैं। मामला पुलिस चौकी बढ़नी क्षेत्र का है। जानकारी के अनुसार, करीब एक सप्ताह पहले एक बालिग लड़की किसी पारिवारिक विवाद के चलते घर छोड़कर कहीं चली गई। इस संबंध में परिजनों ने स्थानीय पुलिस से कार्रवाई की मांग की, जिसके बाद पुलिस ने कुछ लोगों को चौकी पर बुलाकर पूछताछ भी की। वहीं, मोहल्ले के लोगों का कहना है कि लड़की के घर छोड़ने के कारणों और उसके ठिकाने की जानकारी केवल उसके परिवार को ही हो सकती है। इसमें आसपास के लोगों की कोई भूमिका नहीं है। उनका कहना है कि यदि किसी पर संदेह है, तो पुलिस स्वतंत्र रूप से जांच कर लड़की का पता लगाए और लोकेशन ट्रेस कर उसे बरामद करे। स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि पुलिस द्वारा बार–बार उन्हें चौकी पर बुलाकर पूछताछ की जा रही है, जिससे दिहाड़ी मजदूरी करने वाले लोगों की रोजी–रोटी प्रभावित हो रही है। इसके साथ ही लड़की के परिजनों पर भी मोहल्ले के लोगों को झूठे मामलों में फंसाने की धमकी देकर दबाव बनाने के आरोप लगाए गए हैं। घटना से इलाके में भय का माहौल है। स्थानीय लोगों ने मीडिया के माध्यम से उच्च अधिकारियों से निष्पक्ष जांच और न्याय की मांग की है।

मजदूर दिवस पर सीपीआई (एम) का प्रदर्शन, सौंपा 13 सूत्रीय मांगपत्र

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। शुक्रवार को अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस के अवसर पर भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) के कार्यकर्ताओं ने नगर पंचायत शोहरतगढ़ के वार्ड छतहरा में उत्साहपूर्वक कार्यक्रम आयोजित किया। इस दौरान मजदूरों और किसानों की विभिन्न समस्याओं को लेकर राष्ट्रपति को संबोधित 13 सूत्रीय मांगपत्र एसडीएम विवेकानंद मिश्रा को सौंपा गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पार्टी के जिला महामंत्री श्यामलाल ने कहा कि वर्तमान समय में पूंजीपतियों द्वारा मजदूरों का शोषण किया जा रहा है। मेहनत कर दो वक्त की रोटी कमाने वाले मजदूरों को उनकी मेहनत का पूरा पारिश्रमिक नहीं मिल पा रहा है, जबकि महंगाई लगातार बढ़ रही है। उन्होंने मांग की कि चारों लेबर कोड कानूनों को निरस्त किया जाए, घरेलू गैस, डीजल और पेट्रोल को पहले की दरों पर उपलब्ध कराया जाए, मजदूरों को वर्ष में 200 दिन रोजगार की गारंटी मिले और न्यूनतम 200 रुपये प्रतिदिन मजदूरी सुनिश्चित की जाए। इसके साथ ही आठ घंटे कार्य दिवस लागू करने, किसानों को समय पर सस्ती दरों पर खाद उपलब्ध कराने और अन्य श्रमिक हितों से जुड़े मुद्दों को भी उठाया गया।कार्यक्रम में लवकुश, चंदन, चंद्रशेखर, सूरज, संजय, आकाश, धीरज सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

कपिलवस्तु में भाजपा का प्रशिक्षण महाअभियान, जनकल्याणकारी नीतियों पर हुआ मंथन

दैनिक बुद्ध का संदेश

नौगढ़/कपिलवस्तु। दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान 2026 के तहत "मंडल प्रशिक्षण वर्ग" के उद्घाटन सत्र का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में केंद्र एवं प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं और नीतियों पर विस्तृत चर्चा की गई। इस अवसर पर कपिलवस्तु विधायक श्यामधनी राही, भाजपा जिलाध्यक्ष दीपक मौर्य, भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा गोरखपुर क्षेत्र के क्षेत्रीय अध्यक्ष शिवनाथ चौधरी, जोगिया मंडल अध्यक्ष राजेश दूबे, नौगढ़ नगर मंडल अध्यक्ष सतीश रस्तोगी तथा वरिष्ठ भाजपा नेता तेजू विश्वकर्मा सहित भारतीय जनता पार्टी के अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम में मंडल पदाधिकारी, शक्ति केंद्र संयोजक, बूथ अध्यक्षगण एवं बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं की सक्रिय सहभागिता देखने को मिली। नेताओं ने संगठन को मजबूत करने और सरकार की योजनाओं को जन–जन तक पहुंचाने पर जोर दिया। विधानसभा क्षेत्र कपिलवस्तु के अंतर्गत जय किसान इंटर कॉलेज में नौगढ़ नगर मंडल एवं जोगिया मंडल द्वारा पंडित

कार्यालय : सहायक रजिस्ट्रार फर्म्स, सोसाइटीज तथा चिट्स, गोरखपुर मण्डल, गोरखपुर

सार्वजनिक सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मो० मुस्तफा पुत्र श्री इनायतुल्लाह द्वारा प्रबन्धक की हैसियत से संस्था अहले हदीश मस्जिद, ग्राम–दुबायल तिवारी, पो०– मुडिला नानकार, तहसील– इटवा, जिला– सिद्धार्थनगर के पंजीकरण हेतु आनलाइन आवेदन प्रस्तुत किया गया है। प्राप्त अभिलेख के अनुसार सर्व श्री 01. निसार– अध्यक्ष, 02. मो० सईद उपाध्यक्ष, 03. मो० मुस्तफा – प्रबन्धक, 04. वहाब – उपप्रबन्धक, 05. मो0 इस्लाम कोषाध्यक्ष, 06. मेहदी हसन सदस्य, 07. शरीफुल्लाह– सदस्य दर्शाये गये है।

अतः यदि किसी व्यक्ति को उक्त संस्था के पंजीकरण पर आपत्ति हो तो वह अपनी आपत्ति सूचना प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अन्दर प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित तिथि के पश्चात् आपत्ति पर विचार नही किया जायेगा और गुण–दोष के आधार पर संस्था के पंजीकरण सम्बन्धी कार्यवाही सुनिश्चित कर ली जायेगी।

आज्ञा से
(बी.के. सिंह)
सहायक रजिस्ट्रार गोरखपुर मण्डल,
गोरखपुर

कार्यालय : अधीक्षण अभियन्ता बस्ती वृत्त, लो.नि.वि., बस्ती

पत्रांक /04 ई–निविदा–बस्ती वृत्त/2026 दिनांक–

निविदा आमंत्रण सूचना

1– महामहिम राज्यपाल, महोदय उत्तर प्रदेश की ओर से अधीक्षण अभियन्ता, बस्ती वृत्त, लो०नि०वि०, बस्ती द्वारा उत्तर प्रदेश, लोक निर्माण विभाग में सेतु कार्य हेतु "ए' 'बी' 'सी' श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से ई–टेण्डरिंग के माध्यम से नीचे दर्शाये गये कार्य हेतु निविदा अमंत्रित की जाती है–

क्र0 सं0	जनपद का नाम	कार्य का नाम	लागत (रू0 लाख में)	धरोहर धनराशि (रू0 लाख में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य समस्त कर सहित (रू0 में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि (वर्षा ऋतु सहित)	श्रेणी
1	2	3	4	5	6	7	8
1	सिद्धार्थ नगर	शोहरतगढ़ चेतिया मार्ग पर भैंसहवा बन्धे से लमुईया नदी होते हुये बैदौली तक सम्पर्क मार्ग पर आर०सी०सी० बाक्स कल्वर्ट का निर्माण कार्य।	60.00	5.00	Tendar cost+ Stationery Charges +G.S.T. Rs. 2714.00	06 माह	ए, बी, एवं सी
2	सिद्धार्थ नगर	ककरही टडिया गायघाट से पटखौली सम्पर्क मार्ग आर०सी०सी० बाक्स लघु सेतु का निर्माण कार्य।	130.00	8.50	Tendar cost+ Stationery Charges +G.S.T. Rs. 2714.00	12 माह	ए, बी, एवं सी

2– प्रत्येक निविदा का शुल्क खाता UP e-tender online Account-Government के Internet Banking के द्वारा ही स्वीकार की जायेगी।

3– प्रत्येक निविदा सिक्योरिटी धनराशि खाता UP e-tender online count के Internet Banking के द्वारा ही स्वीकार की जायेगी। बिड डाक्यूमेन्ट वेबसाईट http://etender.up.nic.in पर दिनांक 04.05.2026 (12:00 बजे अपरान्ह) से 12.05.2026 (12:00 बजे मध्यान्ह) तक उपलब्ध है एवं अपलोड किया जा सकता है। निविदा की तकनीकी बिड दिनांक 12.05.2026 (12.30 अपरान्ह) आनलाइन खोली जायेगी।

4– निविदा आमंत्रणकर्ता को संशोधन, शुद्धिपत्र जारी करने का अधिकार है, जो आनलाइन उपलब्ध रहेगा। समस्त इच्छुक निविदादाता को सलाह दी जाती है कि वे ई–टेण्डर पोर्टल को नियमित रूप से देखते रहे।

5– निविदा से सम्बन्धित अधिक जानकारी वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर उपलब्ध है। इस वेबसाइट के चाणक्य पोर्टल के प्रहरी सॉफ्टवेयर पर निविदा अपलोड की जायेगी। प्रहरी सॉफ्टवेयर की वेबसाइट www.uppwd.gov.in/prahariहै।

(इं0 कमल किशोर)
अधिशासी अभियन्ता
प्रान्तीय, लो०नि०वि०,
सिद्धार्थनगर

(इं0 कर्मवीर सिंह)
अधीक्षण अभियन्ता,
बस्ती वृत्त, लो०नि०वि०,
बस्ती

सम्पादकीय

मौत की राह बनती सड़कों पर हो अनुशासन

साथ ही अक्सर बड़ी दुर्घटना का कारण बनने वाले सड़क पर खड़े वाहनों पर रोक लगाने के लिए सख्त नियम बने और सख्त जुर्माना तय हो। कायदे से राजमार्गों पर कहीं भी वाहन को खड़ा करने की अनुमति प्रदान नहीं की जानी चाहिए। साथ ही सड़क निर्माण में किसी तकनीकी खामी की गुंजाइश न रहे, इसके लिये भी पर्याप्त सतर्कता उपाय किए जाने चाहिए। इन मार्गों पर अंधेरे में भी नजर आने वाले ...

देश के नीति–नियंताओं की सोच रही है कि विकास के लिए चौड़ी व रफ्तार वाली सड़कें जीवन रेखा का काम करें। हाल के वर्षों में इसी सोच के साथ राजग सरकार ने राष्ट्रीय राजमार्गों का निर्माण युद्ध स्तर पर किया। देश के उत्थान के लिए विकास के बुनियादी ढांचे को प्राथमिकता दी। लेकिन विकास की इस उन्नति के साथ ही राष्ट्रीय राजमार्गों से जुड़ी विसंगति भी सामने आई कि इन पर होने वाली दुर्घटनाओं में अप्रत्याशित वृद्धि हुई है। हादसों का यह सिलसिला लगातार जारी है। सवाल उठता है कि उच्च तकनीक से तैयार आकर्षक व सुविधाजनक एक्सप्रेस–वे और राष्ट्रीय राजमार्ग यात्रियों की सुरक्षा की कसौटी पर खरे क्यों नहीं उतर पा रहे हैं। यूं तो देश की कुल सड़कों में दो फीसदी ही राष्ट्रीय राजमार्ग हैं, लेकिन देश में होने वाली सड़क दुर्घटनाओं में इनकी संख्या तीस फीसदी हो गई है। जो हमारी गंभीर चिंता का सबब बन रहा है। ऐसे में आम नागरिकों की इस गहरी चिंता को महसूस करते हुए देश की शीर्ष अदालत ने हस्तक्षेप किया है। शीर्ष अदालत ने इस संकट पर गहरी चिंता जताते हुए केंद्र व राज्य सरकार तथा इससे संबंधित विभागों को सड़क सुरक्षा को प्राथमिकता के आधार पर सशक्त करने के निर्देश दिए हैं। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट की मान्यता रही है अधिकारियों की उदासीनता व निर्माण से जुड़ी खामियों की वजह से राजमार्ग व एक्सप्रेस–वे दुर्घटना के कारक नहीं बनने चाहिए। इस दिशा में अविलंब कार्रवाई होनी चाहिए ताकि मार्ग खतरे का गलियारा न बने। विडंबना यह भी है कि देश में आम लोगों में ट्रैफिक से जुड़ी अनुशासन की सोच पूरी तरह से विकसित नहीं हो पायी है। खुली सड़क मिलते ही रफ्तार तेज होने लगती है, यह जानते हुए कि ये गति हमारी दुर्गति का कारण भी बन सकती है। इसके अलावा तेज स्पीड में भी फोन पर बात करते रहना और शराब पीकर वाहन चलाना भी सड़क दुर्घटनाओं को बढ़ाने वाला साबित हुआ है। यह विडंबना ही है कि भारत में दुनिया के अन्य विकसित व समकक्ष विकासशील देशों के अनुपात में वाहनों की संख्या तो कम है लेकिन सड़क दुर्घटनाओं में हम अव्वल हैं। यह आंकड़ा डराता है कि साल भर में होने वाली करीब साढ़े चार लाख से अधिक सड़क दुर्घटनाओं में हर साल डेढ़ लाख से अधिक लोगों की मौत हो जाती है। इसके अलावा लाखों लोग घायल होते हैं। दुर्भाग्य से लाखों लोग ऐसे भी होते हैं जो जीवनपर्यंत अपंगता का शिकार हो जाते हैं। विडंबना यह भी कि सड़क दुर्घटनाओं में दम तोड़ने वाले लोगों में बड़ी संख्या युवा आबादी की है। ये युवा आबादी अपने परिवार की कमाई का मुख्य जरिया होती है, उनकी मौत पूरे परिवार को गरीबी की दलदल में धकेल देती है। यहां प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि तमाम सरकारी प्रयासों के बावजूद सड़क दुर्घटनाओं में कमी क्यों नहीं आ रही है। वास्तव में कोशिश होनी चाहिए कि सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए होने वाले प्रयास जमीनी हकीकत भी बनें, जो वास्तव में राजमार्गों व एक्सप्रेस–वे को दुर्घटनाओं से निरापद बना सकें। निस्संदेह, चौड़ी व तेज गति देने वाली सड़कें देश के विकास को प्राणवायु देती हैं, लेकिन ये सड़कें यात्रियों की प्राण रक्षा करने वाली भी होनी चाहिए। सरकार की तरफ से कोशिश होनी चाहिए कि राजमार्गों पर ढाबे एक निश्चित दूरी पर हों और उनके पास ट्रकों व भारी वाहनों को खड़ा करने का पर्याप्त स्थान हो। साथ ही अक्सर बड़ी दुर्घटना का कारण बनने वाले सड़क पर खड़े वाहनों पर रोक लगाने के लिए सख्त नियम बने और सख्त जुर्माना तय हो। कायदे से राजमार्गों पर कहीं भी वाहन को खड़ा करने की अनुमति प्रदान नहीं की जानी चाहिए। साथ ही सड़क निर्माण में किसी तकनीकी खामी की गुंजाइश न रहे, इसके लिये भी पर्याप्त सतर्कता उपाय किए जाने चाहिए। इन मार्गों पर अंधेरे में भी नजर आने वाले पर्याप्त संकेतक होने चाहिए ताकि वाहन चालकों को किसी तरह का असमंजस राजमार्ग पर चलते हुए न हो। वक्त आ गया है कि देश में दुर्घटनाओं को टालने के लिए आधुनिक यातायात प्रणाली के अनुसंधान व प्रयोग की दिशा में काम किया जाए।

सिंघमों और पुष्पाओं के बीच भ्रमित मतदाता

पुष्पा फिल्म देखने के बाद यही लगता है कि अपराधी के सामने पुलिस अधिकारी की कोई हैसियत ही नहीं है चाहे वह कितना ही बड़ा अधिकारी क्यों न हो। अपराधी होने के साथ–साथ पुष्पा राजनीति का भी चेहरा हो गया है। फिल्मों ने वैसे तो समाज के विकास में अतुलनीय योगदान दिया है। लड़की छेड़ने, हत्या करने, जेल से भागने, बैंक लूटने आदि का शिक्षण देने जैसे महत्वपूर्ण कार्यों में फिल्मों का अतुलनीय योगदान रहा है। वैसे योगदान और भी कई इसी तरह के महत्वपूर्ण कार्यों में रहा है, परंतु अभी बात साधारण योगदान की नहीं बल्कि पश्चिम बंगाल की राजनीति में इसके योगदान की हो रही है। यूपी कॉडर के आईपीएस अधिकारी अजय पाल शर्मा को बंगाल में सिंघम का दर्जा दिया जा रहा है। उनके सामने हैं जहांगीर खान, जो पुष्पा के रूप में सामने आ रहे हैं। सिंघम, सिंघम 2 और सिंघम 3 नाम से तीन–तीन फिल्में तीन–चार साल के अंतराल पर आ चुकी हैं। हो सकता है आगे चलकर बेबी सिंघम, बाबा सिंघम भी देखने का पुण्य हमें प्राप्त हो। कमाई भी सभी सिंघमों ने जम कर की है। सिंघम फिल्मों को देखकर लगता है कि पुलिस अधिकारी के सामने अपराधी कुछ भी नहीं है चाहे वह जो भी है और जैसा भी है, यानि नेता ही क्यों न हो। दूसरी ओर पुष्पा की बात करें तो पुष्पा द राइज, और पुष्पा द रूल, आ चुकी है और पुष्पा द रैम्पेज, आने वाली है। इसका झुकेगा नहीं स्साला और हाथ से गर्दन काटने की अदा ने जो गदर मचा दिया था। गानों ने भी कुछ कम कहर नहीं बरपा रखा था। पुष्पा फिल्म देखने के बाद यही लगता है कि अपराधी के सामने पुलिस अधिकारी की कोई हैसियत ही नहीं है चाहे वह कितना ही बड़ा अधिकारी क्यों न हो। अपराधी होने के साथ–साथ पुष्पा राजनीति का भी चेहरा हो गया है। यकीन नहीं होता कि सुकुमार जैसे कोमल नाम के व्यक्ति ने पुष्पा को निदेशित किया होगा। बंगाल चुनाव की वर्तमान परिस्थिति में अजय पाल शर्मा और जहांगीर खान को सिंघम बनाम पुष्पा के रूप में देखा जा रहा है। जहांगीर के शब्दों में 'अजय पाल शर्मा यदि सिंघम है तो मैं भी पुष्पा हूं।' सिंघम के सामने अपराधी कुछ नहीं, पुष्पा के सामने पुलिस कुछ नहीं। पर जब बात बंगाल के चुनाव की हो रही है तो किसके सामने कौन कुछ नहीं है यह भविष्य ही बताएगा। जहांगीर ने खुद को पुष्पा घोषित कर परोक्ष रूप से कह दिया है कि झुकेगा नहीं स्साला। अजय पाल सिंह ने भी शब्दों को बदल कर कह दिया है कि अता माझी सटकली। दोनों का कहना है कि मतदाता को कोई डराए धमकाए नहीं। पर मतदाता ही क्या जिसे डराया धमकाया और ललचाया न जाए। मत के तो कई मतलब हैं। इसका एक मतलब वोट है तो दूसरा मतलब राय–विचार है। इनके साथ मत का मतलब मना करना भी है। बंगाल के मतदाता समझ नहीं पा रहे कि किस अर्थ में मतदान को लें।

कार्पोरेट व्यवस्था में श्रमिक हितों के संरक्षण की जरूरत

देश की सभी प्रमुख ट्रेड यूनियनों का मानना है कि चार श्रम संहिता लागू होने की स्थिति में काम के घंटों में वृद्धि होगी, यूनियनों का पंजीकरण करवाना कठिन होगा, हड़ताल करने पर दंडात्मक कारवाई की जा सकेगी, स्थाई रोजगार की बजाय ठेका प्रणाली का प्रचलन बढ़ेगा और भर्ती व हटाना आसान होगा। यही नहीं, 300 तक श्रमिक संख्या वाले उद्योगों को श्रम विभाग की अनुमति के बिना मजदूरों को हटाने ...

एक मई को सभी देशों के श्रमिक इकट्ठे होकर शोषण, उत्पीड़न व अन्याय वाली व्यवस्था में बदलाव कर समानता का लक्ष्य आगे बढ़ाने का संकल्प लेते हैं। अपनी एकता प्रदर्शित करते हैं जो नये श्रम कानूनों व श्रमिक हितों की मौजूदा चुनौतियों के चलते और अधिक महत्वपूर्ण है। इस साल मई दिवस यानी मजदूर दिवस अभूतपूर्व परिस्थितियों में आया है। बीते दिनों राष्ट्रीय राजधानी के चारों ओर हरियाणा, उत्तर प्रदेश, राजस्थान के औद्योगिक क्षेत्रों में श्रमिक असंतोष सड़कों पर प्रकट हुआ। ऑटोमोबाइल, गारमेंट जैसे उद्योगों में कार्यरत श्रमिकों की प्रमुख मांगें न्यूनतम वेतन में बढ़ोतरी और प्रतिदिन आठ घंटे से ज्यादा काम लेने पर दोगुना ओवरटाइम थीं। ऐसी मांगों को शायद ही कोई अनुचित कह सके। लेकिन मानेसर, गुड़गांव, भिवाड़ी और नोएडा में फूटे आक्रोश को शांत करने के लिए श्रमिकों की सुनवाई करने की बजाय उन पर पुलिस बल का प्रयोग किया गया। कई गिरफ्तार कर जेल भेजे गए। पिछले दिनों ऐसी ही स्थिति पानीपत रिफाइनरी के श्रमिकों के असंतोष के रूप में सामने आयी। शासन–प्रशासन की ओर से श्रमिकों के इस स्वतरूस्फूर्त असंतोष के पीछे कथित संदिग्ध ताकतों का हाथ बताकर पूरे मामले को रहस्यमय बनाने की कोशिश की। लेकिन असंतोष अभी भी कायम है। वहीं ऊर्जा संकट के कारण गुजरात जैसे प्रदेशों से मजदूर पलायन कर गए हैं। इस ताजा घटनाक्रम के विस्तार में जाने से पहले एक नजर मई दिवस के इतिहास पर डालना जरूरी है।

मई दिवस की शुरुआत साल 1886 में अमेरिका के शिकागो शहर में मई महीने के पहले सप्ताह में हजारों औद्योगिक मजदूरों द्वारा की गई हड़ताल से हुई थी। सड़कों पर आकर 8 घंटे का कार्य दिवस और कार्यस्थल पर सम्मानजनक व्यवहार की मांग को लेकर रोष प्रदर्शनों से निपटने के लिए पुलिस द्वारा की गई गोलीबारी में कुछ मजदूर शहीद हुए। बाद में हिंसा फैलाने के मनगढ़ंत आरोपों में मुकदमे चलाकर 6 श्रमिक नेताओं को मृत्युदंड दिया गया। तभी से दुनिया के श्रमिक अपने उन शहीद साथियों को याद करते हैं जिनकी कुर्बानियों से इस मानवीय नियम को अंतर्राष्ट्रीय स्वीकार्यता मिली जिसके तहत आठ घंटे काम, आठ घंटे नींद और आठ घंटे परिवार के साथ बिताना। 1889 में पेरिस में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सोशलिस्ट कांग्रेस के आह्वान पर 1890 में 1 मई को पहली बार मई दिवस दुनियाभर में मनाया गया। तब से सभी देशों के श्रमिक 1 मई के दिन अपने–अपने शहरों में इकट्ठे होकर शोषण, उत्पीड़न वाली व्यवस्था में बदलाव कर गरिमामय जीवन व समतामूलक समाज की स्थापना के लक्ष्य को आगे बढ़ाने का संकल्प लेते हैं। अन्याय के खिलाफ वे अपनी एकता प्रदर्शित करते हैं। वे साम्राज्यवादी ताकतों के साथ किये जा रहे व्यापार समझौतों के विरोध में अपने–अपने देशों की मार्केट और संप्रभुता की हिफाजत में खड़े होते हैं और युद्धों का विरोध करते हुए विश्व शांति के पक्ष में संकल्प लेते हैं। बहरहाल, इस समय अमेरिका–इस्राइल और ईरान युद्ध का खमियाजा पूरे विश्व के आम लोगों को भुगतना पड़ रहा है। हमेशा की तरह पूंजीवादी सिस्टम के तहत कार्पोरेट जगत अपने मुनाफे की दर बनाए रखने हेतु संकट का बोझ किसान व मजदूर वर्ग के ऊपर डालने के रास्ते पर चल रहा है। ऐसे हाल में गैस की कीमतें बढ़ने से कंपनियों को अपने मुनाफे बनाए रखने के लिए श्रमिकों के काम के घंटे बढ़ाना आसान विकल्प दिखाई देता है।

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के श्रमिकों को खाड़ी युद्ध की वजह से ऊर्जा के दाम बढ़ने और बेतहाशा महंगाई के कारण 8–10 हजार रुपये के मामूली वेतन में गुजारा करना असंभव हो गया। मकान किरायों में बढ़ोतरी, बच्चों की स्कूल फीस व स्वास्थ्य खर्च वृद्धि आदि के कारण मजदूर अपना गुजारा नहीं चला सकते हैं। आंदोलन भड़कने के उपरांत आनन–फानन में राज्य सरकारों ने न्यूनतम वेतन में जो वृद्धि की है वह नाकाफी है बल्कि उनका अनुपालन नहीं करवाया जाता है। इसके अलावा एक बड़ा हिस्सा ऐसा भी है जिसे 'पीस रेट' के तहत लगाया हुआ है। संगठित क्षेत्र के ये ऐसे मजदूर हैं जो असंगठित हैं। इनकी कोई वैधानिक सामाजिक सुरक्षा व दुर्घटनाओं से सुरक्षा नहीं जबकि जोखिमपूर्ण कार्य स्थितियों में इन्हें काम करना पड़ता है। शोषण के शिकार ऐसे तबकों का आवाज उठाना स्वाभाविक है। बता दें कि नव–उदारवाद के दौर में कार्पोरेट के मंसूबों के चलते वर्ष 2020 में सभी 29 श्रम कानूनों को हटाकर उनकी जगह पर चार श्रम संहिता (लेबर कोड) संसद में पारित किए गए। ट्रेड यूनियनों के तीखे विरोध के बावजूद 21 नवंबर 2025 में इन्हें लागू करने की अधिसूचना जारी कर दी गई। देश की सभी प्रमुख ट्रेड यूनियनों का मानना है कि चार श्रम संहिता लागू होने की स्थिति में काम के घंटों में वृद्धि होगी, यूनियनों का पंजीकरण करवाना कठिन होगा, हड़ताल करने पर दंडात्मक कारवाई की जा सकेगी, स्थाई रोजगार की बजाय ठेका प्रणाली का प्रचलन बढ़ेगा और भर्ती व हटाना आसान होगा। यही नहीं, 300 तक श्रमिक संख्या वाले उद्योगों को श्रम विभाग की अनुमति के बिना मजदूरों को हटाने की छूट रहेगी। इसके चलते श्रम विभाग निरर्थक होकर रह जाएगा वहीं श्रमिकों की स्थिति बंधुआ जैसी हो सकती है। लेबर कोड के पक्ष में जैसी दलीलें दी जा रही हैं ठीक वैसी तीन कृषि कानूनों के संबंध में दी गई थी जिन्हें आंदोलन के बाद वापस करवाया गया था। इस समय मजदूरों के साथ किसान संगठन भी खड़े हो रहे हैं। जो आशाजनक संकेत कहे जा सकते हैं।

ऊर्जा–आत्मनिर्भरता की राह में बड़ा कदम

छोटे मॉड्यूलर रिएक्टरों के अलावा भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र अगली पीढ़ी के रिएक्टर डिजाइनों का विकास कर रहा है, जिनमें 200 मेगावाट विद्युत (एमडब्ल्यूई) भारत स्मॉल मॉड्यूलर रिएक्टर (बीएसएमआर–200), 55 मेगावाट विद्युत (एमडब्ल्यूई) एसएमआर–55, और हाइड्रोजन उत्पादन के लिए डिजाइन किया गया 5 मेगावाट तापीय (एमडब्ल्यूटीएच) तक का उच्च–ताप...

स्वदेशी डिजाइन से निर्मित प्रोटोटाइप फास्ट ब्रीडर रिएक्टर (पीएफबीआर) ने 6 अप्रैल को सफलतापूर्वक अपनी प्रथम 'क्रिटिकैलिटी' प्राप्त की है। अब भारत में प्रचुर मात्रा में उपलब्ध थोरियम, दीर्घकालीन परमाणु कार्यक्रम में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। भारत ने अपने परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम में हाल में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। तमिलनाडु के कल्पक्कम में स्वदेशी डिजाइन से निर्मित प्रोटोटाइप फास्ट ब्रीडर रिएक्टर (पीएफबीआर) ने 6 अप्रैल को सफलतापूर्वक अपनी प्रथम 'क्रिटिकैलिटी' प्राप्त की, जो नाभिकीय चेन रिएक्शन की शुरुआत है। यह प्रोटोटाइप एफबीआर 500 मेगावाट विद्युत (एमडब्ल्यूई) रिएक्टर है, जिसे भारतीय नाभिकीय विद्युत निगम लिमिटेड (भाविनी) ने तमिलनाडु के कल्पक्कम नाभिकीय परिसर में निर्मित किया है। यह तकनीक नाभिकीय ऊर्जा में यूरेनियम पर निर्भरता कम करेगी। इस उपलब्धि के साथ, भारत अपने तीन–चरणीय परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम के दूसरे चरण में प्रवेश कर गया है, जिसकी परिकल्पना डॉ. होमी जहांगीर भाभा ने की थी। वैश्विक स्तर पर भी यह महत्वपूर्ण परिघटना है। इसके पूर्ण संचालन में आने के बाद, रूस के बाद भारत, फास्ट ब्रीडर रिएक्टर का संचालन करने वाला, दुनिया का दूसरा देश बन जाएगा। ईरान–युद्ध के आर्थिक दुष्प्रभावों के साथ, दुनियाभर के देश ऊर्जा सुरक्षा की तलाश में हैं। ज्यादातर देश कोयले और पेट्रोलियम के रूप में

फॉसिल फ्यूल के सहारे हैं, पर अब उनके खत्म होने का समय है। वैसे भी उनके पर्यावरणीय दुष्प्रभाव को देखते हुए विकल्पों की तलाश चल रही है। पनबिजली, सौर ऊर्जा और पवन ऊर्जा जैसे विकल्पों की तुलना में नाभिकीय ऊर्जा सबसे आगे है, क्योंकि बड़े स्तर पर वही जरूरत पूरी कर सकती है। उसके साथ भविष्य के तकनीकी विकास भी जुड़े हैं, जो नए विकल्पों को खोलेंगे।

अमेरिका के वैज्ञानिकों ने हाल में संलयन (फ्यूजन) ऊर्जा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त घोषणा की है। व्यावसायिक रूप से इस पद्धति से बिजली बनाने में अभी कई दशक लगेंगे, पर भविष्य में यह ऊर्जा का विश्वसनीय स्रोत साबित होगा। यह बिजली भी परमाणु के नाभिकीय में छिपे ऊर्जा स्रोत पर आधारित होगी, पर अभी प्रचलित विखंडन पर आधारित नाभिकीय ऊर्जा से एकदम अलग और सुरक्षित होगी।

नाभिकीय ऊर्जा स्वच्छ है, पर उसके साथ दुर्घटनाओं के जोखिम हैं। इस वजह से जर्मनी ने 2023 में परमाणु विखंडन (फिजन) को छोड़ने का फैसला किया है। वह भी परमाणु संलयन तकनीक पर भारी निवेश कर रहा है, जिसे वह भविष्य की स्वच्छ ऊर्जा के रूप में देखता है। जापानी नेतृत्व ने 2011 की फुकुशिमा आपदा से पैदा हुई सार्वजनिक चिंताओं के बावजूद अब परमाणु ऊर्जा को फिर से अपनी प्राथमिकता बनाया है। ईरान युद्ध ने, उनके परमाणु संयंत्रों को फिर से खोलने और नए संयंत्र बनाने की बातें हैं। दक्षिण कोरिया पहले से ही दुनिया के सबसे बड़े परमाणु ऊर्जा उत्पादकों में से एक है। वह भी अपनी असैनिक–परमाणु क्षमता का विस्तार कर रहा है। भारत में परमाणु ऊर्जा के सतत विकास के लिए फास्ट ब्रीडर की अनिवार्यता को डॉ. होमी भाभा ने 1950 के दशक में ही समझ लिया था। उन्होंने माना कि भारत में यूरेनियम के सीमित भंडार नाभिकीय ऊर्जा कार्यक्रम को लंबे समय तक चला नहीं पाएंगे। उन्होंने यूरेनियम के कुशल उपयोग के लिए ब्रीडर प्रणाली का सुझाव दिया। भारत में प्रचुर मात्रा में उपलब्ध थोरियम, दीर्घकालीन परमाणु कार्यक्रम में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। पीएफबीआर परियोजना की गतिविधियां 2003 में शुरू हुईं और उसी वर्ष 'भाविनी' नामक सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम की स्थापना हुई। प्रोटोटाइप फास्ट ब्रीडर रिएक्टर में क्रिटिकैलिटी केवल तकनीकी उपलब्धि नहीं है। यह भारत के दीर्घकालिक परमाणु विजन की परिपक्वता और उसकी स्वदेशी क्षमताओं की मजबूती को दर्शाती है। सीमित यूरेनियम संसाधनों से लेकर थोरियम–संचालित भविष्य तक, भारत का तीन–चरणीय कार्यक्रम अब क्रियान्वयन की दिशा में बढ़ रहा है। कल्पक्कम नाभिकीय परिसर में हुई प्रगति उन्नत रिएक्टर प्रौद्योगिकियों में भरोसे को दर्शाती है।

जैसे–जैसे क्षमता का विस्तार होगा और नई प्रौद्योगिकियां आकार लेंगी, परमाणु ऊर्जा भारत के ऊर्जा मिश्रण में कहीं अधिक केंद्रीय भूमिका निभाने लगेगी। इस समय रूस ही फास्ट ब्रीडर रिएक्टर (एफबीआर) संचालित कर रहा है। हालांकि, कई देशों ने प्रायोगिक फास्ट रिएक्टर विकसित या संचालित किए हैं, जिनमें अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, जापान, जर्मनी और चीन शामिल हैं, पर इनमें से ज्यादातर कार्यक्रम बंद हैं। इनकी लागत और तकनीकी सुरक्षा आड़ेआई पर भारत ने इन दिक्कतों पर काबू पाया है, क्योंकि यह तकनीक ही हमारी मददगार है। भारत के पास सीमित यूरेनियम भंडार हैं लेकिन थोरियम के विश्व के सबसे बड़े भंडारों में से एक है। इसके लिए हमारे परमाणु ऊर्जा विभाग ने तीन–चरणों वाला नाभिकीय ऊर्जा कार्यक्रम बनाया है। इस कार्यक्रम का पहला चरण है, प्रेशराइज्ड हैवी वॉटर रिएक्टर (पीएचडब्ल्यूआर), जिसमें प्राकृतिक यूरेनियम का उपयोग किया जाता है। इनमें प्रयुक्त ईंधन प्लूटोनियम उत्पन्न करता है, जो अगले चरण के लिए मुख्य इनपुट बनता है। दूसरा चरण है, फास्ट ब्रीडर रिएक्टर (एफबीआर)। चरण 1 से प्राप्त प्लूटोनियम का उपयोग फास्ट ब्रीडर रिएक्टरों में ईंधन के रूप में किया जाता है। कल्पक्कम स्थित प्रोटोटाइप एफबीआर इस चरण में भारत के प्रवेश का संकेत देता है। इन रिएक्टरों का उपयोग थोरियम से यूरेनियम–233 बनाने के लिए किया जाएगा, जो चरण 3 की नींव रखेगा। चरण 3 है थोरियम–आधारित रिएक्टर।

पाकिस्तान का खेल और तेल दोनों खत्म! Petroleum Minister Malik बोले– हमारे पास भारत की तरह Strategic Oil Reserves नहीं

कल तक ईरान और अमेरिका के बीच मध्यस्थता कराने को आतुर पाकिस्तान दुनिया को अपनी कूटनीति की क्षमता दिखाने निकला था, लेकिन उसे पहले अपने घर की हालत सुधारनी चाहिए थी। न तो ईरान और अमेरिका के बीच तनाव थमा और न ही पाकिस्तान अपनी साख बचा पाया। उल्टा हाल यह हो गया है कि उसकी अर्थव्यवस्था ढहने के कगार पर पहुंच गई है। पाकिस्तान में तेल की भारी कमी है और जो उपलब्ध है वह इतना महंगा हो चुका है कि आम जनता त्राहि त्राहि कर रही है।

देखा जाये तो इस्लामाबाद की चमकदार कूटनीति का मुखौटा उस वक्त पूरी तरह उतर गया जब ईरान ने आखिरी समय पर ऐसा कदम उठाया जिसने पाकिस्तान की सारी रणनीति ध्वस्त कर दी। जिस मंच को उसने खुद को वैश्विक मध्यस्थ के रूप में स्थापित करने के लिए तैयार किया था, वही मंच उसकी दोहरी नीति और कमजोर रणनीतिक समझ को उजागर कर गया। पाकिस्तान ने खुद को अमेरिका और चीन के बीच संतुलन साधने वाला देश दिखाने की कोशिश की, लेकिन यह संतुलन अब बिखरता नजर आ रहा है।

ईरान–अमेरिका संघर्ष को शांत करने के उद्देश्य से आयोजित इस्लामाबाद वार्ता को ऐतिहासिक पहल बताया गया था, लेकिन शुरुआती दौर में ही यह नाकाम हो गई। लगभग 21 घंटे चली बातचीत के बावजूद अमेरिका और ईरान के बीच मतभेद कम नहीं हुए। इसके बाद भी पाकिस्तान ने दूसरे दौर की वार्ता के जरिए अपनी प्रतिष्ठा बचाने की कोशिश की, लेकिन ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने अमेरिकी प्रतिनिधियों से मिलने से साफ इंकार कर दिया। यह केवल एक कूटनीतिक मतभेद नहीं था, बल्कि पाकिस्तान की उस महत्वाकांक्षा पर सीधा प्रहार था जिसमें वह खुद को अनिवार्य मध्यस्थ के रूप में प्रस्तुत कर रहा था।

ईरान का यह रुख अचानक नहीं था। पहले से संकेत मिल रहे थे कि तेहरान प्रत्यक्ष बातचीत से बचना चाहता है और केवल अप्रत्यक्ष संपर्क को ही स्वीकार करेगा। इसके बावजूद पाकिस्तान ने इन संकेतों को नजरअंदाज किया और अपने कूटनीतिक प्रयासों को जरूरत से ज्यादा बढ़ा चढ़ाकर पेश किया। परिणामस्वरूप, जैसे ही ईरान पीछे हटा, पूरी प्रक्रिया ध्वस्त हो गई और पाकिस्तान की विश्वसनीयता पर सवाल उठने लगे।

यह घटनाक्रम पाकिस्तान की विदेश नीति के उस जोखिम भरे खेल को भी सामने लाता है जिसमें वह एक साथ कई दिशाओं में संतुलन बनाने की कोशिश कर रहा है। एक ओर वह अमेरिका के साथ संबंध बनाए रखना चाहता है, तो दूसरी ओर चीन के साथ अपनी रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करना चाहता है। विशेषज्ञों के अनुसार, इस पूरे मामले में चीन की भूमिका भले ही प्रत्यक्ष रूप से सामने न आई हो, लेकिन उसका प्रभाव स्पष्ट रूप से महसूस किया गया, जिससे स्थिति और जटिल हो गई।

इस कूटनीतिक असफलता के साथ–साथ पाकिस्तान की आंतरिक स्थिति भी तेजी से बिगड़ रही है। इस्लामाबाद में कड़े सुरक्षा इंतजाम, बार–बार का लॉकडाउन और आर्थिक गतिविधियों का ठप होना यह दिखाता है कि यह पूरा प्रयोग देश पर भारी पड़ रहा है। खुद प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने स्वीकार किया है कि ईरान और अमेरिका के बीच जारी तनाव का सीधा असर पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था पर पड़ा है और देश को भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है।

वैश्विक स्तर पर तेल संकट ने इस स्थिति को और गंभीर बना दिया है। मध्य पूर्व में तनाव और होर्मुज जलडमरूमध्य में आपूर्ति बाधित होने के कारण कच्चे तेल की कीमतें 126 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई हैं। यह मार्ग विश्व की ऊर्जा आपूर्ति का एक बड़ा हिस्सा वहन करता है और इसमें आई रुकावट ने पाकिस्तान जैसे आयात निर्भर देशों को गहरे संकट में डाल दिया है।

इस बीच, पाकिस्तान के पेट्रोलियम मंत्री मलिक ने स्वीकार किया है कि देश के पास केवल पांच से सात दिनों का कच्चे तेल का भंडार है, जबकि परिष्कृत उत्पाद अधिकतम 21 दिनों तक ही चल सकते हैं। सबसे चिंताजनक बात यह है कि पाकिस्तान के पास एक दिन के लिए भी रणनीतिक पेट्रोल भंडार उपलब्ध नहीं है। इसके विपरीत भारत के पास साठ से सत्तर दिनों का भंडार है और मजबूत विदेशी मुद्रा स्थिति के कारण वह इस संकट का सामना अपेक्षाकृत बेहतर तरीके से कर पा रहा है।

इसके अलावा, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष पर निर्भरता के कारण पाकिस्तान के पास नीतिगत लचीलापन भी सीमित है। पाकिस्तान सरकार को पेट्रोल और डीजल पर कर लगाने पड़े हैं, हालांकि बढ़ती कीमतों के दबाव में डीजल पर कर शून्य कर दिया गया और उसका बोझ पेट्रोल पर डाल दिया गया। साथ ही मोटरसाइकिल चालकों को लक्षित सब्सिडी देने की कोशिश भी की गई। इसके बावजूद हालात इतने बिगड़ गए हैं कि पेट्रोल की कीमतें चार सौ पचासी रुपये प्रति लीटर तक पहुंच गईं हैं जिसके बाद देशभर में विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए। बाद में सरकार को कीमतों में अस्सी रुपये प्रति लीटर की कटौती करनी पड़ी, लेकिन इससे जनता की परेशानी पूरी तरह खत्म नहीं हुई।

यह पूरा घटनाक्रम एक बड़ा सवाल खड़ा करता है कि क्या पाकिस्तान अपनी क्षमता से अधिक बड़ा खेल खेलने की कोशिश कर रहा है। एक तरफ वह खुद को शांति का दूत बताता है, तो दूसरी तरफ उसकी आंतरिक कमजोरियां और असफल कूटनीतिक प्रयास उसकी साख को लगातार कमजोर कर रहे हैं। यह स्थिति एक कड़वी सच्चाई सामने लाती है कि वैश्विक मंच पर दिखावा ज्यादा देर तक नहीं टिकता। जब हकीकत सामने आती है तो सबसे पहले मुखौटा ही गिरता है। इस्लामाबाद में जो हुआ, वह इसी सच्चाई का ताजा उदाहरण है, जहां कूटनीतिक महत्वाकांक्षा और आर्थिक वास्तविकता के बीच का अंतर साफ तौर पर उजागर हो गया है।

रिच डैड पुअर डैड के लेखक ने पाकिस्तान को दिखाया आईना, तेल संकट पर रॉबर्ट कियोसाकी का बयान– भारत एक स्थिर चट्टान की तरह खड़ा है

विश्व प्रसिद्ध वित्तीय सलाहकार और शरिच डैड पुअर डैडश के लेखक रॉबर्ट कियोसाकी ने एक हालिया फेसबुक पोस्ट के जरिए दक्षिण एशिया के दो पड़ोसियोंकृभारत और पाकिस्तानकृकी आर्थिक और रणनीतिक स्थिति के बीच के गहरे अंतर को उजागर किया है। कियोसाकी ने बताया कि कैसे एक तरफ पाकिस्तान अपने दावों के विपरीत ऊर्जा सुरक्षा के मामले में घुटनों पर है, वहीं दूसरी तरफ भारत वैश्विक संकटों के बीच एक शस्थिर चट्टानश की तरह खड़ा है। रॉबर्ट कियोसाकी ने पाकिस्तान के पेट्रोलियम मंत्री अली परवेज मलिक की उन टिप्पणियों की ओर ध्यान दिलाया, जिनमें उन्होंने स्वीकार किया था कि देश के पास एक दिन के लिए भी रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार मौजूद नहीं है।

इस बयान को और भी ज़्यादा चुभने वाला बनाने वाली बात यह थी कि कुछ ही दिन पहले उनका लहजा कितना अलग था। पिछली एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में, इसी मंत्री ने कहा था कि पाकिस्तान की ईंधन आपूर्ति ष्सुरक्षित और स्थिरष है। उन्होंने दावा किया था कि देश की स्थिति भारत सहित कई अन्य देशों की तुलना में कहीं ज़्यादा मजबूत हैय उनके अनुसार, भारत में पेट्रोल पंपों पर लंबी–लंबी कतारें लगी थीं और हर जगह ईंधन की भारी किल्लत थी। उन्होंने ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सरकार द्वारा उठाए गए ष्सक्रिय कदमोंष की तारीफ की थी और जोर देकर कहा था कि सब कुछ पूरी तरह नियंत्रण में है।

लेकिन रॉबर्ट कियोसाकी ने उन्हें सचमुच आईना दिखा दिया

ईरान संघर्ष के कारण श्स्ट्रेट ऑफ होर्मुजश में पैदा हुई बाधा के बाद, पाकिस्तान में ईंधन की कीमतें आसमान छूने लगीं। अप्रैल 2026 की शुरुआत में, पेट्रोल की कीमत लगभग 321 **PKR** से बढ़कर 458 **PKR** प्रति लीटर हो गई, जो कि एक महीने के भीतर 43 प्रतिशत की भारी बढ़ोतरी थी। डीजल की कीमतों में तो और भी तेजी से उछाल आयाय यह 335 **PKR** से बढ़कर 520 **PKR** हो गया, जो कि 55 प्रतिशत की बढ़ोतरी थी। पूरे देश में जोरदार विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए। कारोबारियों ने आपूर्ति श्रृंखला के पूरी तरह ठप हो जाने की चेतावनी दी, और विपक्षी दलों ने इसे शराष्ट्रीय आपातकालश घोषित कर दिया।

भारत की शांत और स्थिर स्थिति

सीमा के दूसरी ओर, तस्वीर बिल्कुल अलग थी। वैश्विक स्तर पर तेल का वही संकट और कच्चे तेल की कीमतों के 120 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर पहुँच जाने के बावजूद, भारत के प्रमुख शहरों में पेट्रोल और डीजल की कीमतें लगभग जस की तस बनी रहीं। रॉबर्ट कियोसाकी के अनुसार, भारत ने ब्टप्क महामारी, रूस–यूक्रेन युद्ध और अब ईरान संघर्ष –– इन सभी संकटों का सामना बिना कीमतों में कोई भारी–भरकम बढ़ोतरी किए, और बिना किसी बड़े झटके के, सफलतापूर्वक किया। उन्होंने तर्क दिया कि भारत ने रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार बनाए हैं, जिन्हें पाकिस्तानी अधिकारियों ने भी माना है कि षसिर्फ एक दस्तखतष से आपातकालीन आपूर्ति जारी की जा सकती है –– जो कमर्शियल स्टॉक के साथ मिलाकर 60–70 दिनों के लिए काफी है। भारत ने अपने तेल आपूर्ति नेटवर्क का भी विस्तार किया है, रूस को एक मुख्य स्रोत के रूप में इस्तेमाल करते हुए, और 2026 में वेनेजुएला से भी शिपमेंट वापस ला रहा है। दुनिया के सबसे बड़े रिफाइनिंग हब में से एक होने के नाते, भारत ने इस झटके को अपने अंदर ही संभाल लिया। उसने घरेलू आपूर्ति को बचाने के लिए ईंधन पर निर्यात शुल्क में भी बदलाव किया।

रॉबर्ट कियोसाकी ने पाकिस्तान को आईना दिखाया

जब मलिक ने कहा, ष्हम भारत नहीं हैं,ष तो लेखक कहते हैं कि वे सही थे –– लेकिन उस तरह से नहीं जैसा उन्होंने सोचा होगा। पाकिस्तान लगभग कोई घरेलू तेल उत्पादन नहीं करता और पूरी तरह से आयात पर निर्भर रहता है, जो खाड़ी के उन समुद्री रास्तों से आता है जो सुरक्षित नहीं हैं। उसके पास विदेशी मुद्रा भंडार भी सीमित है और वह प्डथ् की कड़ी शर्तों के तहत काम करता है। जब होर्मुज जलडमरूमध्य में रुकावट आई, तो उसके पास कोई सहारा नहीं था।

इस बीच, सरकार ने 22 अप्रैल को चुपचाप एक टास्क फोर्स का गठन किया ताकि रणनीतिक भंडार बनाने की संभावनाओं का पता लगाया जा सके –– जिसकी सिफारिशें 8 मई तक आनी थीं –– यह एक ऐसा कदम था जो कई साल पहले ही उठा लिया जाना चाहिए था।

रॉबर्ट कियोसाकी की पोस्ट ने शोर–शराबे को दरकिनार करते हुए वही दिखाया जो आंकड़े पहले से ही बता रहे थे। एक मंत्री ने उसी हफ्ते दो बिल्कुल अलग–अलग बातें कहीं। आंकड़ों के एक सेट ने ज़्यादा साफ तस्वीर दिखाईरू पाकिस्तान में ईंधन की कीमतें 50 प्रतिशत से भी ज़्यादा बढ़ गईं, जबकि भारत ने कीमतों को स्थिर बनाए रखा। इस युद्ध ने यह अंतर पैदा नहीं किया। इसने तो बस इसे सबके सामने ला दिया।

कच्ची उम्र में मत करो विवाह ,दोनों का जीवन होगा तबाह

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। थाना विंधमगंज क्षेत्र बौद्धाडीह ग्राम में बाल विवाह की प्राप्त सूचनाओं पर जेंडर एक्सपर्ट साधना मिश्रा ,सुपरवाइजर रविन्द्र , नागेन्द्र की टीम गठित की गई और तत्काल, थाना विंडमगंज पहुंची जहां एक नाबालिग बालिका का विवाह कराए जाने की सूचना पर टीम ने तत्काल मौके पर पहुंचकर टीम द्वारा बालिका के परिजनों से आयु संबंधी वैध दस्तावेज परिजनों द्वारा कोई प्रमाण प्रस्तुत नहीं किया जा सका, बारात दरवाजे पर आ चुकी थी और लड़के की उम्र के संबंध में भी साक्ष्य चाहा गया तो साक्ष के आधार पर लड़का भी नाबालिक पाया गया जिसे दोनों के हित को देखते हुए दोनों पक्ष को समझाते बुझाते हुए सर्वोत्तम हिट की सलाह देते हुए शादी न करने की अपील किया गया दोनों पक्ष आपसी समझौता से समझ गए और लड़के लड़की दोनों पक्ष के सर्वोत्तम हित को देखते हुए उसे तत्काल संरक्षण में लेकर थाना विंधमगंज पहुंचकर आपसी समझौता करा कर बालिका को उसके माता–पिता को सुपुर्द कर दिया गया। उक्त कार्रवाई बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम, 2006 के प्रावधानों के अंतर्गत की गई है। अधिनियम के अनुसार 18 वर्ष से कम आयु की बालिका का विवाह संज्ञेय एवं अपराध है। महिला कल्याण विभाग सभी नागरिकों से अपील करता है कि बाल विवाह की किसी भी सूचना पर तत्काल चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर '1098' पर सूचित करें। सूचनादाता की पहचान पूर्णतः गोपनीय रखी जाएगी। मौके पर उप निरीक्षक संजय राय, कांस्टेबल मनीष कुमार साहू , कास्टेबल भूपेंद्र पांडेय ग्राम प्रधान उपस्थित रहे।

रजत पाटीदार के विकेट पर मचा घमासान, अंपायर के फैसले पर भड़के Virat Kohli, नरेंद्र मोदी स्टेडियम में जमकर हुआ ड्रामा

आईपीएल 2026 के एक बेहद रोमांचक मुकाबले में गुजरात टाइटन्स ने मौजूदा चैंपियन रॉयल चौलेंजर्स बेंगलुरु को 4 विकेट से हरा दिया। हालांकि, गुजरात की इस जीत से ज्यादा चर्चा मैदान पर हुए उस हाई–वोल्टेज ड्रामे की हो रही है, जिसमें दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली अंपायर के एक फैसले पर अपना आपा खोते हुए नजर आए।

क्या था विवाद? रजत पाटीदार के विकेट पर मचा घमासान

यह घटना त्ब्ठ की पारी के आठवें ओवर में हुई। अर्शद खान की गेंद पर रजत पाटीदार (19 रन) ने एक पुल शॉट खेलने की कोशिश की। जेसन होल्डर ने आगे की ओर डाइव लगाते हुए जमीन के बेहद करीब एक कैच लपका।

अनिश्चितता का माहौलरू रीप्ले में यह स्पष्ट नहीं हो पा रहा था कि गेंद ने जमीन को छुआ है या नहीं। फील्डर कगिसो रबाडा भी कैच के लिए दौड़ रहे थे, जिससे स्थिति और भ्रमित हो गई। अंपायर का फैसलाः तीसरे अंपायर ने लंबे समय तक

विजुअल्स देखने के बाद शसॉफ्ट सिग्नलश और मैदानी अंपायर के फैसले को बरकरार रखते हुए पाटीदार को आउट करार दिया। यह घटना त्ब्ठ की पारी के आठवें ओवर में हुई, जब अर्शद खान की गेंद पर जेसन होल्डर ने रजत पाटीदार का कैच लपककर उन्हें आउट कर दिया। पाटीदार, जो उस समय 19 रन बनाकर खेल रहे थे, ने रन गति बढ़ाने के लिए एक पुल शॉट खेलने की कोशिश की। होल्डर ने फुर्ती दिखाते हुए आगे की ओर डाइव लगाई और जमीन के करीब से कैच लपक लियाय उसी समय कगिसो रबाडा भी गेंद की ओर दौड़ रहे थे, जिससे दोनों फील्डरों के बीच लगभग टक्कर हो ही गई थी। आउट होने के इस वाकये के रीप्ले देखने के बाद भी यह पूरी तरह से साफ नहीं हो पाया कि गेंद जमीन को छूई थी या नहीं। इस अनिश्चितता के बावजूद, तीसरे अंपायर ने रिव्यू के बाद मैदान पर मौजूद अंपायर के फैसले को ही सही ठहराया और पाटीदार को आउट करार दिया। पारी के इस अहम मोड़ पर अंपायर के इस फैसले से कोहली और त्ब्ठ का डगआउट साफ तौर पर नाखुश नजर आया। कोहली, जो उस समय डगआउट में बैठे थे, काफी निराश दिखे और उन्होंने अंपायर के इस फैसले पर सवाल भी उठाए। इस अनुभवी बल्लेबाज ने इससे पहले 13 गेंदों में 28 रन बनाए थेय बाद में उन्हें बाउंड्री रोप के पास अंपायर के साथ काफी देर तक बहस करते हुए देखा गया।

आखिरकार यह मैच गुजरात टाइटन्स के नाम रहा, जिन्होंने **RCB** को चार विकेट से हराकर एक रोमांचक जीत दर्ज की। गुजरात टाइटन्स ने पहले गेंदबाजी करते हुए मौजूदा चौंपियन **RCB** को 19.2 ओवरों में 155 रनों पर ही ऑल आउट कर दिया, और फिर 15.5 ओवरों में 158ध्6 का स्कोर बनाकर लक्ष्य को सफलतापूर्वक हासिल कर लिया। कप्तान शुभमन गिल (18 गेंदों में 43 रन) और जोस बटलर (19 गेंदों में 39 रन) ने टीम की जीत की नींव रखी, जबकि राहुल तेवतिया (17 गेंदों में 27' रन) ने टीम को जीत की मंजिल तक पहुंचाया। इस जीत के साथ ही **RCB** 12 अंकों के साथ अंक तालिका में दूसरे स्थान पर बनी रही, जबकि गुजरात टाइटन्स दो अहम अंक हासिल करके पांचवें स्थान पर पहुंच गई, जिससे उनके कुल अंकों की संख्या 10 हो गई।

जिलाधिकारी ने विकास कार्यों का किया औचक निरीक्षण, गुणवत्ता व समयबद्धता पर दिया जोर

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। जनपद में संचालित विभिन्न विकास योजनाओं का जिलाधिकारी चर्चित गोंड द्वारा शुक्रवार को औचक निरीक्षण किया गया। इस दौरान उन्होंने नगर पंचायत पेयजल पुनर्गठन योजना, राजकीय बालिका हाई स्कूल हिनौती, कलवारी–रॉबर्ट्सगंज मार्ग के चौड़ीकरण एवं सुंदरीकरण कार्य का स्थलीय निरीक्षण कर कार्यों की प्रगति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों एवं कार्यदायी संस्थाओं को निर्देशित करते हुए कहा कि घोरावल नगर पंचायत की पेयजल पुनर्गठन योजना को उच्च गुणवत्ता के साथ शीघ्र पूर्ण कराया जाए, ताकि आमजन को स्वच्छ एवं पर्याप्त पेयजल उपलब्ध हो सके। उन्होंने स्पष्ट चेतावनी दी कि किसी भी स्तर पर लापरवाही अथवा अनावश्यक विलंब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। कलवारी–रॉबर्ट्सगंज मार्ग के चौड़ीकरण एवं सुंदरीकरण कार्य का निरीक्षण करते हुए जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि बरसात से पूर्व सड़क चौड़ीकरण का कार्य हर हाल में पूर्ण कर लिया जाए। उन्होंने मौके पर ही सड़क निर्माण में प्रयुक्त गिट्टी की मात्रा का सत्यापन कराया तथा अधिशासी अभियंता, लोक निर्माण विभाग को सख्त निर्देश दिए कि कार्य में गुणवत्ता से कोई समझौता न किया जाए। उन्होंने कहा कि सड़क निर्माण इस प्रकार किया जाए कि आवागमन सुरक्षित, सुगम और दीर्घकालिक हो सके। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों से योजनाओं की प्रगति की विस्तृत जानकारी प्राप्त कर आवश्यक दिशा–निर्देश दिए। उन्होंने सभी कार्यों को समयबद्ध एवं पारदर्शी तरीके से पूर्ण कराने पर विशेष बल दिया, ताकि जनपद के समग्र विकास को गति मिल सके और जनता को बेहतर बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध हो सकें। इस अवसर पर जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी संतपाल वर्मा, अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग, अधिशासी अभियंता जल निगम शहरी एवं ग्रामीण तथा जिला विद्यालय निरीक्षक जयराम सिंह सहित अन्य संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

बलरामपुर में चला 'कार्रवाई एक्सप्रेस': 14 उपनिरीक्षक लाइन हाजिर, पुलिस महकमे में हड़कंप

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। जिले में गए उपनिरीक्षकों में ज्ञानचंद, प्रताप सिंह और वीरेंद्र कुमार कानून–व्यवस्था को लेकर सख्त रुख अपनाते हुए पुलिस अधीक्षक विकास कुमार ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 14 उपनिरीक्षकों को एक साथ लाइन हाजिर कर दिया। यह कार्रवाई चोरी की घटनाओं के अनावरण में लगातार असफल रहने और लापरवाही बरतने के आरोप में की गई है। एसपी की इस सख्त कार्रवाई से पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया है। लंबे समय से लंबित चोरी की वारदातों का खुलासा न कर पाने वाले उपनिरीक्षकों पर गाज गिराते हुए स्पष्ट संदेश दिया गया है कि अब किसी भी स्तर पर ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। लाइन हाजिर किए

रामकुमार वर्मा, राजेश गुप्ता, कैलाश प्रसाद, नवनीत सिंह, कौशल किशोर, प्रदीप यादव, अविनाश कुमार सिंह, राहुल सिंह, अर्जुन प्रसाद, अरुण कुमार पाटिल, मूलचंद, शिवेंद्र पाल शामिल हैं।सूत्रों के अनुसार, जिले में बढ़ती चोरी की घटनाओं को लेकर लगातार शिकायतें मिल रही थीं, लेकिन संबंधित थानों की पुलिस प्रभावी कार्रवाई करने में नाकाम रही। इसी को गंभीरता से लेते हुए एसपी ने यह कठोर कदम उठाया। पुलिस अधीक्षक ने साफ किया है कि अपराध नियंत्रण और घटनाओं के शीघ्र अनावरण में किसी भी प्रकार की लापरवाही अब सीधे कार्रवाई को आमंत्रित करेगी। इस कदम को पुलिस विभाग में अनुशासन और जवाबदेही सुनिश्चित करने की दिशा में अहम माना जा रहा है।

बहराइच में कांग्रेस को बड़ा झटका: जिला उपाध्यक्ष डॉ. प्रीतम शुक्ला ने दिया इस्तीफा, युवाओं की उपेक्षा का लगाया आरोप

दैनिक बुद्ध का संदेश

बहराइच। जनपद की राजनीति में आज एक अहम घटनाक्रम सामने आया, जब कांग्रेस कमेटी के जिला उपाध्यक्ष डॉ. प्रीतम शुक्ला ने पार्टी की प्राथमिक सदस्यता सहित अपने सभी पदों से इस्तीफा दे दिया। वर्ष 2018 से 2026 तक पार्टी में सक्रिय रहे डॉ. शुक्ला ने अपने राजनीतिक सफर को समाप्त करने की घोषणा की। इस्तीफे के साथ जारी बयान में डॉ. शुक्ला ने पार्टी की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि "पार्टी की गतिविधियों को अब बर्दाश्त कर पाना और अपनी जिम्मेदारियों को भूल पाना संभव नहीं है।"उन्होंने आगे आरोप लगाया कि "पार्टी में अब युवाओं को दबाने की राजनीति शुरू हो गई है, जिसके चलते इस्तीफा देना पड़ रहा है।"इससे पहले अपने संदेश में उन्होंने लिखा थाकृ "मैं कांग्रेस पार्टी की

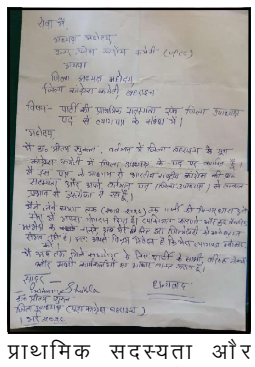

प्राथमिक सदस्यता और राजनीतिक पद सभी से इस्तीफा देता हूं। जय हिंद, जय भारत। (2018–2026) तक का सफर आज पूर्ण हुआ।" साथ ही उन्होंने एक प्रेरक पंक्ति साझा की– "खुद को इतना कमजोर मत समझो कि किसी के बर्ताव से टूट जाओ, हम वो हैं जो पत्थर काट कर भी अपना रास्ता निकाल लेते हैं।" डॉ. प्रीतम शुक्ला का नाम जिले में कांग्रेस के सक्रिय और मुखर नेताओं में शामिल रहा है। उनके इस्तीफे से पार्टी संगठन को स्थानीय स्तर पर झटका माना जा रहा है। फिलहाल, कांग्रेस की ओर से इस इस्तीफे पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है, जबकि राजनीतिक हलकों में इसे लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं। अब सभी की नजर इस बात पर टिकी है कि डॉ. शुक्ला आगे किस राजनीतिक दिशा में कदम बढ़ाते हैं।

दो सीएचसी अधीक्षकों के कार्यक्षेत्र में बदलाव, तबादला आदेश जारी

दैनिक बुद्ध का संदेश

बहराइच। स्वास्थ्य विभाग शीघ्र ही नए कार्यस्थल पर में प्रशासनिक फेरबदल के तहत जनपद के दो सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (ब्म्ै) अधीक्षकों के कार्यक्षेत्र में बदलाव किया गया है। मुख्य चिकित्साधिकारी (ब्डव्) संजय कुमार द्वारा जारी आदेश के अनुसार दोनों अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से नई तैनाती दी गई है। जारी आदेश के मुताबिक, महेश विश्वकर्मा को सीएचसी चर्दा से स्थानांतरित कर सीएचसी मोतीपुर भेजा गया है। वहीं डॉ. थानेदार को सीएचसी मोतीपुर से हटाकर सीएचसी चर्दा की जिम्मेदारी सौंपी गई है। सीएमओ कार्यालय से जारी निर्देश में दोनों अधिकारियों को कार्यभार ग्रहण करने के निर्देश दिए गए हैं। इस प्रशासनिक बदलाव को स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक प्रभावी बनाने की दिशा में उठाया गया कदम माना जा रहा है।

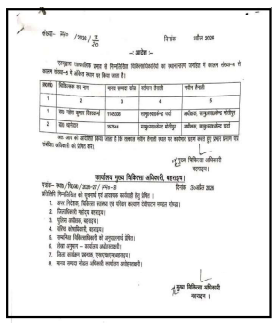

तहसील कैसरगंज में भ्रष्टाचार के आरोप, किसान यूनियन ने सौंपा ज्ञापन, आंदोलन की चेतावनी

दैनिक बुद्ध का संदेश

बहराइच। जनपद के कैसरगंज तहसील में भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप सामने आए हैं। भारतीय किसान यूनियन टिकैत के पदाधिकारियों ने तहसील प्रशासन के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए एसडीएम कैसरगंज को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में तहसील परिसर में व्याप्त भ्रष्टाचार, घूसखोरी और किसानों की अनदेखी को प्रमुख मुद्दा बनाया गया। यूनियन पदाधिकारियों का आरोप है कि तहसील के कई कर्मचारी बिना रिश्वत लिए कोई कार्य नहीं करते, जिससे किसानों और आम जनता को मजबूरी में पैसे देने पड़ते हैं। किसान नेताओं का कहना है कि उच्च अधिकारियों के आदेशों के बावजूद भी कर्मचारियों का

रवैया नहीं बदलता और बिना धन उगाही के काम नहीं किया जाता। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि शिकायतों के बावजूद प्रशासनिक अधिकारी कोई ठोस कार्रवाई नहीं कर रहे, जिससे भ्रष्टाचार लगातार बढ़ रहा है। मीडिया से बातचीत में यूनियन नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि स्थिति में सुधार नहीं हुआ तो 18 मई 2026 को तहसील प्रशासन के खिलाफ विशाल धरना–प्रदर्शन किया जाएगा। इसके अलावा क्षेत्र में अवैध खनन को लेकर भी प्रशासन पर सवाल उठाए गए। यूनियन का आरोप है कि खनन माफिया कृषि योग्य जमीनों को नुकसान पहुंचा रहे हैं, लेकिन प्रशासन की ओर से कोई सख्त कार्रवाई नहीं की जा रही। नेताओं ने अधिकारियों की कथित मिलीभगत का भी आरोप लगाया। किसान यूनियन ने साफ कहा कि किसानों और आम जनता के हितों की रक्षा के लिए संगठन का संघर्ष जारी रहेगा और भ्रष्टाचार के खिलाफ आंदोलन तेज किया जाएगा।

सड़क सुरक्षा को लेकर बौंडी पुलिस सख्त, चला सघन वाहन चेकिंग अभियान

दैनिक बुद्ध का संदेश

बहराइच। सड़क सुरक्षा को लेकर बौंडी पुलिस पूरी तरह एक्शन मोड में नजर आई। शुक्रवार को थाना क्षेत्र के सेमगढा चौराहा और बंधा मोड़ पर थानाध्यक्ष त्रिलोकीनाथ मौर्य के नेतृत्व में सघन वाहन चेकिंग अभियान चलाया गया। इस दौरान दोपहिया और चारपहिया वाहनों की बारीकी से जांच की गई। अभियान के दौरान बिना हेलमेट वाहन चला रहे चालकों को रोककर कड़ी चेतावनी दी गई तथा उन्हें यातायात नियमों का पालन करने के लिए जागरूक किया गया। वहीं नाबालिगों द्वारा वाहन चलाने के मामलों में पुलिस ने सख्ती दिखाते हुए पूछताछ की और अभिभावकों को उनकी जिम्मेदारी का एहसास कराया। चेकिंग के दौरान चालकों से ड्राइविंग लाइसेंस समेत अन्य आवश्यक दस्तावेज भी जांचे गए। थानाध्यक्ष त्रिलोकीनाथ मौर्य ने बताया कि क्षेत्र में बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं को ध्यान में रखते हुए यह अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यातायात नियमों का पालन करना न केवल कानूनी दायित्व है, बल्कि यह प्रत्येक व्यक्ति की सुरक्षा से भी जुड़ा हुआ है। पुलिस ने आमजन से अपील की कि वाहन चलाते समय हेलमेट और सीट बेल्ट का अनिवार्य रूप से प्रयोग करें, नाबालिग बच्चों को वाहन चलाने से रोकें तथा सभी जरूरी दस्तावेज हमेशा साथ रखें। पुलिस ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि नियमों की अनदेखी करने वालों के खिलाफ आगे भी कड़ी कार्रवाई जारी रहेगी।

पागल कुत्ते का आतंक: तीन मासूम समेत 6 लोगों को काटा

दैनिक बुद्ध का संदेश

बहराइच। बहराइच जनपद के थाना खैरीघाट क्षेत्र अंतर्गत मक्कापुरवा गांव में शुक्रवार को उस समय अफरा–तफरी मच गई, जब एक पागल कुत्ता अचानक एक घर में घुस आया और वहां मौजूद लोगों पर हमला कर दिया। इस हमले में तीन मासूम बच्चों समेत कुल 6 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कुत्ते ने घर में मौजूद लोगों को बुरी तरह नोच डाला, जिससे चीख–पुकार मच गई। शोर सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और लाठी–डंडों की मदद से कुत्ते को खदेड़कर भगाया। घायलों की पहचान 60 वर्षीय शिव कुमार, समसुल्लका, मीरा देवी, अंकिता, गरजा देवी और चंटा देवी के रूप में हुई है। इनमें चंटा देवी की हालत गंभीर बताई जा रही है। सभी घायलों को तत्काल इलाज के लिए बहराइच मेडिकल कॉलेज के हिंसक जानवर प्रभावित वार्ड में भर्ती कराया गया है, जहां उनका उपचार जारी है। ग्रामीणों में घटना के बाद दहशत का माहौल है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से इलाके में आवारा कुत्तों पर नियंत्रण और सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने की मांग की है।

बहराइच में सनसनीखेज वारदातः प्रेम विवाह की कीमत जान देकर चुकाई, युवक को जिंदा जलाया- इलाज के दौरान मौत

दैनिक बुद्ध का संदेश

बहराइच। जनपद बहराइच के थाना कैसरगंज क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत विजयपुर के

कुम्हारनपुरवा गांव में प्रेम विवाह को लेकर एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। प्रेम प्रसंग के चलते शादी करने वाले युवक को कथित रूप से पेट्रोल डालकर जिंदा जला दिया गया, जिसकी इलाज के दौरान लखनऊ में मौत हो गई। मृतक की युवक गणेश (22 वर्ष) के रूप में हुई है, जिसने गांव की ही एक युवती से प्रेम विवाह किया था। बताया जा रहा है कि दोनों ने परिवार की मर्जी के खिलाफ घर से भागकर कोर्ट मैरिज की थी। इसी बात से युवती के परिजन नाराज थे और लंबे समय से रंजिश चल रही थी। 25 अप्रैल को हुई वारदातः परिजनों के अनुसार, 25 अप्रैल को आरोपियों ने गणेश को घेर लिया और उस पर पेट्रोल डालकर आग लगा दी। गंभीर रूप से झुलसे युवक को तत्काल लखनऊ के मेडिकल कॉलेज (ट्रॉमा सेंटर) में भर्ती कराया गया, जहां कई दिनों तक जिंदगी और मौत से जूझने के बाद बीती रात उसने दम तोड़ दिया। गिरफ्तारी की मांग पर अड़े परिजन घटना के बाद मृतक के परिजन आक्रोशित हो गए और उन्होंने सभी आरोपियों की गिरफ्तारी तक अंतिम संस्कार करने से इनकार कर दिया। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस प्रशासन मौके पर पहुंचा और स्थिति को संभाला। पुलिस का आश्वासन, बढ़ाई गई सुरक्षा पुलिस क्षेत्राधिकारी कैसरगंज धीरेंद्र कुमार श्रीवास्तव ने परिजनों को शीघ्र गिरफ्तारी का ठोस आश्वासन दिया, जिसके बाद परिजन शांत हुए और अंतिम संस्कार के लिए सहमत हुए। गांव में किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए पुलिस ने गश्त बढ़ा दी है और माहौल पर नजर रखी जा रही है। पुलिस जांच जारी है, आरोपियों की तलाश में दबिश दी जा रही है।

लखनऊ एयरपोर्ट पर तमंचे संग युवक गिरफ्तार, दुबई जाने से पहले दबोचा गया गोंडा निवासी

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोन्डा। गोन्डा जनपद के निवासी युवक महेश कुमार चौहान को लखनऊ एयरपोर्ट पर तमंचे के साथ पकड़ लिया गया है। उसने लगेज के अंदर तमंचा छिपा रखा था। प्राप्त जानकारी के अनुसार काउंटर पर जैसे ही लगेज लेकर गया तो उसकी जांच हुई तो उसमें तमंचा निकला एयरपोर्ट के सिक्योरिटी गार्ड्स ने अधिकारियों को इसकी सूचना दी।अधिकारियों ने सरोजनी नगर थाने से पुलिस बुला ली।इसके बाद युवक के खिलाफ एफआईआर दर्ज करवाई।पुलिस को संका है कि तमंचे को दुबई में सप्लाई किए जाने का मामला है जिसकी पूछताछ और जांच हो रही है।युवक की पहचान गोन्डा जनपद के चांदपुर लखपत राय के महेश कुमार चौहान के रूप में हुई है।वह 12वीं पास है।यह महेश कुमार चौहान का टिकट है,लगेज बुकिंग काउंटर पर पकड़ा गया,घटना

शुक्रवार सुबह की है।युवक महेश कुमार चौहान सुबह एयरपोर्ट पहुंचा।वह एअर इंडिया की फ्लाइट (आईएक्स 193) से दुबई जाने वाला था।बुकिंग काउंटर पर लगेज की सुरक्षा जांच के दौरान उसके बैग की तलाशी ली गई।जांच में उसके बैग से 12 बोर का तमंचा निकला।सुरक्षाकर्मियों ने महेश को तमंचे के साथ पकड़ा और सरोजनी नगर पुलिस को सौंप दिया। पुलिस की शुरुआती पूछताछ में महेश ने बताया कि वह नौकरी के सिलसिले में दुबई जा रहा था। चर्चा के मुताबिक उसके बैग में तमंचा कैसे आया,इस बारे में वह कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे सका।युवक का पासपोर्ट 2022 में बना था,तब उसकी उम्र 18 साल थी।पुलिस सूत्रों के अनुसार महेश पर दुबई में अवैध तमंचे के कारोबार के लिए इसे सैंपल के तौर पर ले जाने का संदेह है।पुलिस ने बरामद तमंचा जब्त कर लिया है।आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।मामले की विस्तृत जांच जारी है।आरोपी को सरोजनी नगर पुलिस ने हिरासत में लिया है। युवक की क्रिमिनल हिस्ट्री नहीं,लेकिन पुलिस सतर्क से जांच कर रही है इस सम्बन्ध में एसीपी कृष्णा नगर रजनीश वर्मा ने बताया कि चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट के लेवल 2ए सुपरवाइजर आदर्श मिश्रा की तहरीर पर सरोजनी नगर थाने में मामला दर्ज किया गया है। युवक के खिलाफ आगे की कार्रवाई की जा रही है। गोन्डा के सभी थानों से उसकी डिटेल खंगाली जा रही है। शुरुआती जांच में आरोपी का कोई आपराधिक इतिहास सामने नहीं आया है। फिर भी पुलिस सतर्कता बरत रही है। जानकारी यह भी चर्चा में है कि आरोपी दुबई में लेबर का काम करता था आरोपी युवक 2023 में दुबई गया था।वहां लेबर (मजदूरी) का काम करता था।करीब 5 महीने पहले दुबई से घर आया था।इसके बाद दोबारा दुबई जा रहा था।फिर हाल पुलिस हर पहलू पर पैनी नजरों है जांच कर रही है।

भीषण गर्मी में अंधाधुंध बिजली कटौती से लोग परेशान

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। भीषण गर्मी के प्रकोप के बीच कोन क्षेत्र में अंधाधुंध बिजली कटौती ने जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित कर दिया है। कोन व कचनरवा बिजली उपकेंद्र से जुड़े लगभग एक लाख से अधिक उपभोक्ता इन दिनों गंभीर विद्युत संकट का सामना कर रहे हैं। तापमान में लगातार बढ़ोतरी और भीषण गर्मी के बीच जहां लोगों को राहत की जरूरत है, वहीं रोस्टिंग और ट्रिपिंग के नाम पर हो रही अनियमित आपूर्ति ने स्थिति को और दयनीय बना दिया है। ग्रामीणों का आरोप है कि विभागीय लापरवाही के कारण दिन–रात मिलाकर बारह से चौदह घंटे तक भी बिजली ग्रामीणों को ठीक ढंग से नहीं मिल पा रही है,उसमें भी बार–बार ट्रिपिंग की समस्या बनी रहती है, जिससे लोगों को राहत नहीं मिल पा रही है। उमस भरी गर्मी में पंखे और कूलर बंद रहने से छोटे बच्चों, बुजुर्गों और बीमार व्यक्तियों को सबसे अधिक दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। पेयजल संकट भी गहराने लगा है, क्योंकि अधिकांश स्थानों पर पानी की आपूर्ति बिजली पर निर्भर है

। स्थानीय निवासी विजय शंकर जायसवाल, आनंद, संतोष, राजू, अर्जुन, रामनिहोर, लल्लन तिवारी,दिलकश,संजय सहित दर्जनों लोगों ने विद्युत विभाग के प्रति कड़ा आक्रोश व्यक्त किया है। उनका कहना है कि इस भीषण गर्मी में निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करना विभाग की प्राथमिक जिम्मेदारी होनी चाहिए थी,लेकिन विभागीय अधिकारी समस्या के समाधान को लेकर गंभीर नजर नहीं आ रहे हैं वो ठीक ढंग से अठारह घंटे भी बिजली देने में असमर्थ नजर आ रहे है सिर्फ मनमानी तरीके से कोन क्षेत्र में बिजली सप्लाई की जा रही है, इस भीषण गर्मी में भी रोस्टिंग के नाम पर लगातार चार चार पांच पांच घंटे बिजली काट दी जा रही है जिसकी वजह से भीषण गर्मी से राहत नहीं मिलने की वजह से लोग बीमार हो रहे है जिससे लोगों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही बिजली आपूर्ति व्यवस्था में सुधार नहीं किया गया तो वे आंदोलन के लिए बाध्य होंगे। उन्होंने उच्चाधिकारियों से हस्तक्षेप कर नियमित एवं सुचारु विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित कराने की मांग की है, ताकि भीषण गर्मी में आमजन को राहत मिल सके।

हाईटेंशन लाइन की चपेट में आने से दो बच्चे झुलसे, अस्पताल में चल रहा इलाज

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोन्डा। गोन्डा जनपद में हाईटेंशन लाइन की घटना कोई नई नहीं है लगातार खबरों में इस तरह की घटनाएं पढ़ने को मिलध्जाती है तो वहीं जिम्मेदार अधिकारियों को अब हाईटेंशन लाइन को सुरक्षित तरीके से बनाने के लिए ध्यान और विचार करना चाहिए।हाल ही में प्राप्त जानकारी के अनुसार हाईटेंशन लाइन की चपेट में आने से दो सगे भाई–बहन गंभीर रूप से झुलस गए।यह घटना गुरुवार रात करीब 8 बजे परेटा ग्राम पंचायत के चिंता पुरवा गांव में हुई। बच्चों को तत्काल परसपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां से उन्हें गोंडा पहचान 10 वर्षीय आदर्श और मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया 7 वर्षीय आकांशा के रूप में

गया।झुलसने वाले बच्चों की हुई है।दोनों का इलाज गोन्डा मेडिकल कॉलेज में चल रहा है।वे अजीत कुमार तिवारी के बच्चे हैं।बताया गया है कि अजीत कुमार तिवारी के घर की छत के ऊपर से 11केवीए की हाईटेंशन लाइन गुजरती है।घटना के समय दोनों बच्चे छत पर खेल रहे थे।खेलते–खेलते वे हाईटेंशन लाइन की चपेट में आ गए,जिससे वे गंभीर रूप से झुलस गए।परिवार के सदस्य जयप्रकाश तिवारी ने बताया कि छत पर पिलर की सरिया निकली हुई थी, जिसमें अचानक लाइन का संपर्क हुआ और बच्चे झुलस गए। उन्होंने मांग की है कि उनके घर के ऊपर से गुजर रही लाइन को हटाया जाए।इस घटना के संबंध में गोन्डा बिजली विभाग के मुख्य अभियंता यदुनाथ यथार्थ से संपर्क करने का प्रयास किया गया,लेकिन उन्होंने अपने सीयूजी नंबर पर फोन नहीं उठाया।उल्लेखनीय है कि इससे पहले 10 अप्रैल को पथवलिया गांव में भी हाईटेंशन लाइन का तार टूटकर गिरने से 35 वर्षीय रणजीत तिवारी की मौत हो गई थी। इसके बावजूद बिजली विभाग द्वारा घरों के ऊपर से गुजर रही हाईटेंशन लाइनों को हटाने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाया जा रहा है।

श्रम दिवस पर यूपीडब्लूजेयू ने दिया उपमुख्यमंत्री को ज्ञापन, प्रदेश भर में हुए कार्यक्रम

दैनिक बुद्ध का संदेश

लखनऊ। श्रम दिवस के मौके पर शुक्रवार को यूपी वर्किंग जर्नलिस्ट यूनियन (यूपीडब्लूजेयू) ने उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक को पत्रकारों के कल्याण व समस्याओं से संबंधित ज्ञापन सौंपा। इस अवसर पर लखीमपुर, बहराइच सहित प्रदेश के विभिन्न जिलों में यूपीडब्लूजेयू की इकाईयों ने कार्यक्रमों का आयोजन किया। यूपीडब्लूजेयू के प्रदेश अध्यक्ष टी.बी. सिंह के नेतृत्व में एक प्रतिनिधमंडल शुक्रवार को उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक से मिला और उन्हें पत्रकारों की समस्याओं व कल्याण संबंधी ज्ञापन सौंपा। उप मुख्यमंत्री ने पत्रकारों को श्रम दिवस की बधाई देते हुए कहा कि वह इन मांगों पर जल्द से जल्द कारवाई कराने का पूरा प्रयास करेंगे। टी.बी. सिंह के नेतृत्व में उप मुख्यमंत्री से मिले प्रतिनिधिमंडल ने ब्रजेश पाठक को सौंपे गए ज्ञापन में प्रदेश के सभी श्रमजीवी पत्रकारों को अधिवर्षता के उपरांत पेंशन से आच्छादित किया करने, पत्रकार सुरक्षा कानून लागू करने, प्रदेश के मुख्यालय व जिलों में पत्रकारों को रियायती दरों पर आवास अथवा भूखंड दिए जाने की योजना लाने, राज्य मुख्यालय पर मान्यता प्राप्त पत्रकारों की तरह जिला मान्यता प्राप्त एवं सभी श्रमजीवी पत्रकारों को पीजीआई में निशुल्क इलाज की सुविधा उपलब्ध कराने, पीजीआई की तरह केजीएमयू एवं लोहिया अस्पताल में भी मान्यता प्राप्त पत्रकारों के निशुल्क इलाज की सुविधा दिये जाने, पत्रकारों के लिए सभी राजकीय अस्पतालों में पूर्व की भांति पर्चा व दवा के अलग काउंटर स्थापित किए जाने और असमय काल–कलवित होने वाले पत्रकारों के परिजनों को प्रदेश सरकार से पूर्व की भांति आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने की मांग की गई। उप मुख्यमंत्री ने पत्रकारों की मांगों से सहमति जताते हुए उन पर सहानुभूतिपूर्व विचार करने व निराकरण करवाने का आश्वासन दिया। प्रतिनिधि मंडल में इंडियन फेडरेशन ऑफ वर्किंग जर्नलिस्ट यूनियन (आईएफडब्लूजे) के राष्ट्रीय सचिव सिद्धार्थ कलहंस, यूपीडब्लूजेयू के वरिष्ठ सचिव उत्कर्ष सिन्हा, संगठन सचिव आचार्य अजय त्रिवेदी व प्रदेश सचिव राजेश मिश्रा शामिल थे। राजधानी लखनऊ के कार्यक्रम के बाद यूपीडब्लूजेयू अध्यक्ष टी.बी. सिंह श्रम दिवस पर पत्रकारों के कार्यक्रम में शामिल होने बहराइच व लखीमपुर भी पहुंचे। लखीमपुर में श्रम दिवस पर आयोजित कार्यक्रम के बाद यूपीडब्लूजेयू जिला इकाई के अध्यक्ष कुलदीप पाहवा के नेतृत्व में पत्रकारों ने अपनी मांगों से संबंधित ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपा। बहराइच में पत्रकारों ने यूपीडब्लूजेयू अध्यक्ष टी.बी. सिंह का स्वागत किया और जिला इकाई अध्यक्ष मसूद कादरी के नेतृत्व में पत्रकारों के कल्याण संबंधी ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपा।

सीमेंट फैक्ट्री श्रमिक संघ ने मजदूर दिवस पर शहिदों को किया नमन राहगीरों को पिलाया शर्बत

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। डाला नगर क्षेत्र के शहीद स्थल पर शुक्रवार को डाला सीमेंट फैक्ट्री श्रमिक संघ (इंटक) यूनियन द्वारा शिकागो के वीर शहीदों व डाला गोलीकांड के वीर शहीदों को नमन करते हुए पुष्पांजलि अर्पित कर अंतरराष्ट्रीय मजदूर दिवस मनाया गया। डाला सीमेंट इंटक यूनियन के महामंत्री उ.प्र इंटक कें आर्गनाइजिंग सेकेट्री एवं इंडियन नेशनल सीमेंट वर्क्स फेडरेशन मुंबई के जोनल सेकेट्री उत्तम मिश्रा ने कहा कि काम के घंटे 8 और काम के सही दाम के लिए आंदोलनरत लोगों पर अमेरिका के शिकागो शहर में हुई गोलीबारी में शहीद लोगों के बदौलत आज हम सुकून की नौकरी कर रहे हैं लेकिन धीरे–धीरे स्थिति अब बिगड़ती दिख रही है आए दिन लोग आंदोलनरत हो रहे हैं जिसके लिए सरकार को सोचना चाहिए जिससे मजदूर वर्ग का असंतोष कम हो और आंदोलन में कमी आए। सभी ने मजदूर एकता का नारा बुलंद किया ।यूनियन की तरफ से एक सेवानिवृत्ति संविदा कर्मी को कुछ सामग्री व अंगवस्त्र देकर विदाई किया गया तत्पश्चात यूनियन के लोगों का उत्साह वर्धन करने के लिए डाला लक्ष्मण नगर के सभासद प्रतिनिधि राजेश सिंह ने सभी को अंग वस्त्र से सम्मानित किया। कार्यक्रम में संयुक्त मंत्री राजेश सिंह, उपाध्यक्ष दिलीप सिंह, प्रचार मंत्री राजेश सिंह, अशोक सिंह, अवनीश पाण्डेय, ऋषि राज पाठक, विनय पाण्डेय, सज्जन मनी त्रिपाठी, राजेंद्र प्रसाद यादव, राजेश कुमार सिंह, दिनेश चंद्रा, चंद्रमा प्रसाद, रमाशंकर मिश्रा समेत सैकड़ो कर्मचारी मौजूद रहे।

निर्माण कार्य में लापरवाही पर सख्त कार्रवाई के निर्देश, गुणवत्ता से समझौता बर्दाश्त नहींरू जिलाधिकारी

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। राजकीय बालिका हाई स्कूल हिनौती, घोरावल के

निर्माण कार्य का जिलाधिकारी चर्चित गोंड ने औचक निरीक्षण कर कार्यों की प्रगति एवं गुणवत्ता का गहन परीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने सीएनडीएस के प्रोजेक्ट मैनेजर को कड़े निर्देश देते हुए कहा कि निर्माण में प्रयुक्त सामग्री एवं कार्य की गुणवत्ता की अनिवार्य रूप से थर्ड पार्टी से जांच कराई जाए। उन्होंने स्पष्ट चेतावनी दी कि गुणवत्ता में किसी भी प्रकार की लापरवाही पाए जाने पर संबंधित के विरुद्ध कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि निर्माण कार्य को निर्धारित समयावधि में हर हाल में पूर्ण किया जाए। विलंब या शिथिलता कतई स्वीकार नहीं की जाएगी। निरीक्षण के दौरान विद्यालय परिसर में निर्माणाधीन बाउंड्री वॉल का भी जायजा लिया गया, जहां स्थानीय स्तर पर विवाद के कारण कार्य बाधित होने की जानकारी प्राप्त हुई। इस पर जिलाधिकारी ने उपजिलाधिकारी घोरावल को निर्देश दिए कि बाउंड्री वॉल निर्माण से संबंधित सभी विवादों का निराकरण एक सप्ताह के भीतर सुनिश्चित किया जाए तथा निर्माण कार्य तत्काल पुनः प्रारंभ कराया जाए। उन्होंने कहा कि किसी भी स्तर पर ढिलाई पाए जाने पर जिम्मेदारी तय कर कार्रवाई की जाएगी। इस अवसर पर जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी संतपाल वर्मा, उपजिलाधिकारी घोरावल आशीष त्रिपाठी, जिला विद्यालय निरीक्षक जयराम सिंह सहित संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

फार्मर रजिस्ट्री सुधार हेतु चार दिवसीय अभियान तेज, एक दिन में 1347 पंजीकरण

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। जिलाधिकारी चर्चित गोंड के निर्देशन में जनपद में फार्मर रजिस्ट्री से संबंधित अंश निर्धारण एवं नाम मिसमैच की समस्याओं के समाधान हेतु चार दिवसीय विशेष अभियान संचालित किया जा रहा है। अभियान के अंतर्गत आज जनपद में कुल 1347 किसानों का फार्मर रजिस्ट्री में पंजीकरण कराया गया, जिससे बड़ी संख्या में .षकों को अपनी अभिलेखीय त्रुटियों के सुधार का लाभ मिला। जिलाधिकारी ने बताया कि इस अभियान का उद्देश्य किसानों की भूमि एवं पहचान से संबंधित त्रुटियों का शीघ्र एवं पारदर्शी निराकरण करना है, ताकि उन्हें विभिन्न शासकीय योजनाओं का लाभ बिना किसी बाधा के प्राप्त हो सके। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि अभियान के दौरान सभी संबंधित विभाग समन्वय स्थापित कर कार्य करें तथा प्रत्येक पात्र किसान तक इस सुविधा का लाभ पहुंचाना सुनिश्चित करें। जिलाधिकारी ने जनपद के समस्त .षक बंधुओं से अपील की है कि वे इस अभियान का अधिक से अधिक लाभ उठाएं। उन्होंने कहा कि किसान अपने नजदीकी सहज जन सेवा केंद्र, पंचायत सहायक, .षि विभाग के कर्मचारियों अथवा संबंधित लेखपाल से संपर्क कर फार्मर रजिस्ट्री में पंजीकरण, अंश निर्धारण एवं नाम मिसमैच से जुड़ी समस्याओं का समाधान करा सकते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि यह अभियान सीमित अवधि के लिए है, अतः सभी किसान समय रहते अपने अभिलेखों का सत्यापन एवं आवश्यक सुधार अवश्य करा लें। प्रशासन द्वारा अभियान को सफल बनाने हेतु सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं।

अन्तर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस पर श्रमिक सुविधा केंद्र का उद्घाटन

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। ओबरा तापीय परियोजना के ब ताप विद्युत गृह के परिसर में शुक्रवार की दोपहर में अंतरराष्ट्रीय मजदूर दिवस के शुभ अवसर पर श्रमिकों के कल्याण एवं सुविधाओं को सु.ढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए श्रमिक सुविधा केंद्र का उद्घाटन मुख्य महाप्रबंधक, ओबरा, इं0 राजेन्द्र कुमार अग्रवाल ने किया। यह श्रमिक सुविधा केंद्र एक पुराने भवन के नवीनीकरण एवं आधुनिकीकरण के माध्यम से विकसित किया गया है, जिससे संसाधनों के प्रभावी उपयोग के साथ–साथ परिसर में एक उपयोगी एवं सुव्यवस्थित सुविधा केंद्र का सृजन संभव हो सका। केंद्र में श्रमिकों के लिए स्वच्छ पेयजल, विश्राम कक्ष, शौचालय, प्राथमिक चिकित्सा सुविधाओं के साथ–साथ मोबाइल चार्जिंग पॉइंट जैसी आधुनिक आवश्यकताओं को भी शामिल किया गया है, ताकि कार्य के दौरान श्रमिकों को अधिकतम सुविधा एवं सहजता प्राप्त हो सके। सबसे महत्वपूर्ण पहल का क्रियान्वयन मयूर माहेश्वरी, आईएएस, प्रबंध निदेशक, उ0नि0लि0 के मार्गदर्शन एवं उनके दूरदर्शी नेतृत्व में किया गया है। उनके निर्देशन में निगम द्वारा श्रमिक कल्याण को प्राथमिकता देते हुए ऐसे सतत प्रयास किए जा रहे हैं, जो न केवल कार्यस्थल की गुणवत्ता में सुधार लाते हैं, बल्कि श्रमिकों के जीवन स्तर को भी उन्नत करते हैं। इस अवसर पर प्रमुख रूप से इं0 आर0के0 अग्रवाल, मुख्य महाप्रबंधक, इं0 सोमनाथ मिश्र, महाप्रबन्धक (ब), इं0 अजय कुमार राय, महाप्रबन्धक (जानपद), इं0 मनीष यादव, महाप्रबन्धक, इं0 नेमी चन्द्र, अधीक्षण अभियन्ता, इं0 अजय कुमार शर्मा, अधीक्षण अभियन्ता, इं0 राजेश्वर प्रसाद, अधीक्षण अभियन्ता, इं0 सुधांशु यादव, अधीक्षण अभियन्ता, इं0 संजय

कुमार पटेल, अधीक्षण अभियन्ता, इं0 नज़मुल हसन, अधीक्षण अभियन्ता, इं0 जीतेन्द्र कुमार मिश्र, अधीक्षण अभियन्ता, सीआईएसएफ के कार्मिक सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारीगण मौजूद रहे। कार्यक्रम के सफल आयोजन एवं समन्वय में इं0 अंकुर सिंह, अधिशासी अभियन्ता तथा अनुराग मिश्र, कार्यकारी अधिकारी की विशेष एवं सराहनीय भूमिका रही। कार्यक्रम के अंत में मुख्य महाप्रबंधक श्री अग्रवाल ने अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस की शुभ कामनाएं देते हुए श्रमिकों के कल्याण हेतु ऐसे प्रयासों को निरंतर आगे बढ़ाने की प्रतिबद्धता व्यक्त की।

विधिक जागरूकता शिविर का हुआ आयोजन

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ की कार्ययोजना वर्ष 2026–27 के क्रियान्वयन के क्रम में राहुल सिविल जज सी0डि0/सचिव (पूर्ण कालिक), जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, सोनभद्र द्वारा 01.05.2026 को अंतर्राष्ट्रीय श्रमिक दिवस के अवसर पर अटल आवासीय

विद्यालय, गुरमुरा में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें श्री राहुल सिविल जज सी0डि0/सचिव (पूर्ण कालिक) जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, , अचला पाण्डेय उपश्रमायुक्त मिर्जापुर, पिपरी, विजय प्रताप यादव सहायक श्रम आयुक्त, पिपरी सोनभद्र, शिवेन्द्र प्रताप सिंह श्रम प्रवर्तन अधिकारी, राबर्टसगंज, दिनेश चन्द्र सरोज श्रम प्रवर्तन अधिकारी पिपरी, , प्रधानाचार्य अटल आवासीय विद्यालय, गुरमुरा एवं शमशेर बहादुर सिंह चीफ एल.ए.डी.सी. सोनभद्र तथा लगभग 70 श्रमिक व 100 बच्चे उपस्थित रहे। इस मौके पर सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, द्वारा उपस्थित लोगों को बताया गया कि किसी भी समाज, देश, संस्था और उद्योग में मज़दूरों, कामगारों और मेहनतकशों की अहम भूमिका होती है। उन की बड़ी संख्या इस की कामयाबी के लिए हाथों, अक्ल–इल्म और तनदेही के साथ जुटी होती है। किसी भी उद्योग में कामयाबी के लिए मालिक, सरमाया, कामगार और सरकार अहम धड़े होते हैं। कामगारों के बिना कोई भी औद्योगिक ढांचा खड़ा नहीं रह सकता। यह दिन श्रमिकों के अधिकारों की रक्षा, उनके काम की स्थिति में सुधार और सामाजिक न्याय की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में देखा जाता है। इसके अलावा सचिव महोदय द्वारा नालसा द्वारा चलायी जा रही विभिन्न योजनाओं (नालसा जागृति योजना, वीर परिवार सहायता योजना, असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों के लिए विधिक सेवायें, गरीबी उन्मूलन योजना, नशा पीड़ितों को विधिक सेवाएं, क॑ाछ न्दपज) नालसा हेल्पलाइन नं0 15100 तथा अन्य विभिन्न योजनाओं से भी उपस्थित श्रमिकों एवं बच्चों को जागरूक किया गया। उपस्थित अन्य अधिकारीगण द्वारा बताया गया कि श्रमिकों के समग्र विकास हेतु सरकार द्वारा विभिन्न योजनाएं चलायी जा रही हैं। सरकार द्वारा चलायी जा रही विभिन्न योजनाओं का लाभ उठाने हेतु कार्यक्रम में उपस्थित श्रमिकों को जागरुक किया गया तथा नशे के सेवन से दूर रहने हेतु भी जागरुक किया गया। इस अवसर पर जनपद के समस्त पराविधिक स्वयं सेवकों द्वारा भी अपने–अपने कार्यक्षेत्र में आयोजित कार्यक्रमों में प्रतिभाग कर उपस्थित लोगों को जागरुक किया गया। यह जानकारी राहुल सचिव (पूर्ण कालिक), जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, द्वारा दी गयी।

साइबर ठगी के खिलाफ कोन पुलिस की बड़ी सफलता, 45,150 रुपये कराए वापस

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। साइबर अपराध पर प्रभावी नियंत्रण के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत कोन थाना पुलिस एवं साइबर टीम ने उल्लेखनीय सफलता हासिल करते हुए दो पीड़ितों की कुल 45,150 रुपये की ठगी गई रकम वापस कराई है। पुलिस की तत्परता और समन्वित कार्रवाई से पीड़ितों को राहत मिली है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम कचनरवा निवासी सजीत सोनी ने अनजाने में एक अज्ञात नंबर पर 34,150 रुपये ट्रांसफर कर दिए थे। वहीं ग्राम सरौली (थाना करमा) निवासी ओमप्रकाश के 11,000 रुपये भी साइबर ठगों द्वारा अज्ञात खाते में भेज दिए गए थे। ठगी का एहसास होने पर दोनों पीड़ितों ने तत्काल राष्ट्रीय साइबर क्राइम पोर्टल (छब्त्च्) पर शिकायत दर्ज कराई। शिकायत मिलते ही कोन पुलिस व साइबर टीम सक्रिय हो गई। टीम ने तकनीकी साक्ष्य एकत्र कर संबंधित बैंकों से समन्वय स्थापित किया तथा न्यायालय से आवश्यक आदेश प्राप्त कर दोनों मामलों में पूरी धनराशि रिकवर कर पीड़ितों के खातों में वापस कराई। इस सराहनीय कार्य में प्रभारी निरीक्षक संजीव कुमार सिंह, कांस्टेबल ऑपरेटर विजय कुमार एवं कांस्टेबल रोहित यादव की अहम भूमिका रही। पुलिस ने आमजन से अपील की है कि साइबर ठगी की स्थिति में तत्काल 1930 हेल्पलाइन नंबर पर सूचना दें, ताकि समय रहते कार्रवाई कर नुकसान को रोका जा सके।

अवैध शराब परिवहन करते हुए 01 अभियुक्त को किया गिरफ्तार

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा द्वारा शराब तस्करों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में, अपर पुलिस अधीक्षक ऑपरेशन ऋषभ रुणवाल के पर्यवेक्षण में एवं क्षेत्राधिकारी दुद्धी राजेश कुमार राय के कुशल निर्देशन में प्रभारी निरीक्षक बभनी के नेतृत्व में बभनी पुलिस टीम द्वारा 30.04.2026 को प्रभावी कार्रवाई करते हुए 01 अभियुक्त को गिरतार किया गया। पुलिस टीम द्वारा चेकिंग के दौरान अभियुक्त जितेन्द्र कुमार विश्वकर्मा पुत्र भगवान दास विश्वकर्मा निवासी ग्राम कोंगा, थाना बभनी, जनपद सोनभद्र, उम्र करीब 20 वर्ष को एक बोलेरो वाहन में अवैध रूप से कुल 96 अदद अंग्रेजी शराब एवं 48 अदद बीयर की केन परिवहन करते हुए पकड़ा गया। गिरतारी एवं बरामदगी के आधार पर थाना बभनी पर मु0अ0सं0 90/2026 धारा 60/63 आबकारी अधिनियम के अंतर्गत अभियोग पंजी.त कर आवश्यक विधिक कार्यवाही की जा रही है।

दुष्कर्म के संगीन मामले में फरार चल रहे वांछित 01 अभियुक्त को चोपन पुलिस ने किया गिरफ्तार

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। जनपद में महिला सम्बन्धित अपराधों के विरुद्ध चलाए जा रहे सघन अभियान के तहत, वांछित अभियुक्तों की गिरतारी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा के निर्देशन में, अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय अनिल कुमार एवं क्षेत्राधिकारी श्री रणधीर मिश्रा के पर्यवेक्षण मे व थाना प्रभारी निरीक्षक थाना चोपन के नेतृत्व में प्रभावी कार्यवाही करते हुए महत्वपूर्ण सफलता अर्जित की गई है। थाना चोपन पर पंजी.त मु0अ0सं0 128/2026 धारा 65(1), 87, 137(2), 115(2), 352, 351(3) बीएनएस एवं 3/4(2) पॉक्सो एक्ट से संबंधित वांछित अभियुक्त सरवर पुत्र शमशेर निवासी–लोढ़ी थाना रॉबर्ट्सगंज जनपद सोनभद्र, उम्र लगभग 21 वर्ष को को दिनांक 30.04.2026 को समय करीब 19रू15 बजे लगातार की जा रही तलाश के क्रम में पुलिस टीम द्वारा दबिश देकर घेराबंदी करते हुए खैराही रोड,जनपद मिर्जापुर से गिरतार किया गया। अभियुक्त के विरुद्ध आवश्यक विधिक कार्यवाही करते हुए न्यायालय के समक्ष प्रेषित किया जा रहा है।

बकरियों के लिए चारा तोड़ते समय पेड़ से गिरने से अधेड़ की मौत

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। घोरावल कोतवाली क्षेत्र के शिल्पी ग्राम निवासी बैठोल पुत्र गल्होरन उम्र 50 वर्ष बकरियों को चारा खिलाने के लिए बृहस्पतिवार की शाम पेड़ पर चढ़कर पत्तियां तोड़ रहे थे इसी दौरान शरीर का बैलेंस बिगड़ने से पेड़ से गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए ।परिजनों द्वारा उपचार के लिए जिला चिकित्सालय ले जाते समय रास्ते में ही दम तोड़ दिए जाने से कोहराम मच गया।इस संबंध में मृतक के पुत्र घमडी साहनी द्वारा घोरावल कोतवाली पुलिस को मामले की सूचना दी गई। कोतवाली पुलिस द्वारा शव को कब्जे में लेकर जिला चिकित्सालय अंत्य परीक्षण के लिए भेज दिया गया है।उक्त सूचना कोतवाली प्रभारी निरीक्षक बृजेश कुमार सिंह के हवाले से प्राप्त हुआ।

शादी समारोह में गई वृद्धा की विषैले जन्तू के काटने से मौत

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। घोरावल कोतवाली क्षेत्र के उभ्भा गाव में बीती रात शादी समारोह से लौट रही वृद्धा की विषैले जंतु के काटने से मौत हो गई।प्राप्त सूचना के अनुसार फुलवा देवी 60 वर्ष पत्नी मानसिंह निवासी ग्राम उभ्भा बीती रात शादी समारोह में गई हुई थी रात्रि में घर लौटते समय विषैला जंतु के काटने से अचेत हो गई।वृद्धा को उपचार के लिए घोरावल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया लेकिन चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। मृतका के पुत्र सोनू कुमार ने बताया कि रात्रि में शादी समारोह में गई हुई थी रास्ते में विषैला जन्तू के काटने से अचेत हो गई। घोरावल उपचार के लिए लाया गया लेकिन चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। घोरावल कोतवाली पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर अंत्य परीक्षण के लिए जिला चिकित्सालय भेज दिया।

सीसी रोड हस्तांतरण में लापरवाही पर कार्रवाई की चेतावनीरू जिलाधिकारी

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। कलवारी–रॉबर्ट्सगंज–खलियारी मार्ग के घोरावल बाजार स्थित सीसी रोड के निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी चर्चित गोंड ने कड़े निर्देश जारी किए। उन्होंने अधिशासी अधिकारी, नगर पंचायत घोरावल एवं उपजिलाधिकारी घोरावल को निर्देशित किया कि उक्त मार्ग के सीसी रोड भाग को लोक निर्माण विभाग के अधीन लाने हेतु प्रस्ताव तत्काल शासन को प्रेषित किया जाए। उन्होंने स्पष्ट चेतावनी दी कि किसी भी प्रकार की शिथिलता या विलंब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। जिलाधिकारी ने कहा कि हस्तांतरण के उपरांत निर्माण कार्य लोक निर्माण विभाग द्वारा गुणवत्ता मानकों के अनुरूप शीघ्र कराया जाए।

प्रांतीय सम्मेलन में भाग लेने वाले शिक्षकों को 2 दिन का विशेष आकस्मिक अवकाश

दैनिक बुद्ध का संदेश

लखनऊ/गोरखपुर। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ (ठकुराई गुट) के 63वें वार्षिक प्रांतीय महाधिवेशन एवं शैक्षिक विचार गोष्ठी के आयोजन को लेकर महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है। यह सम्मेलन 7 व 8 मई 2026 को गोरखपुर स्थित गोकुल अतिथि भवन में आयोजित होगा। शिक्षा निदेशक (माध्यमिक) उत्तर प्रदेश, लखनऊ द्वारा 30 अप्रैल 2026 को जारी आदेश के अनुसार, इस अधिवेशन में प्रतिभाग करने वाले शिक्षक एवं शिक्षिकाओं को दो दिन का विशेष आकस्मिक अवकाश प्रदान किया जाएगा। संगठन की ओर से सभी जिलाध्यक्षों एवं जिला मंत्रियों से अपील की गई है कि वे इस आदेश को संलग्न करते हुए अपने–अपने जनपद के जिला विद्यालय निरीक्षकों से भी संबंधित आदेश जारी कराने की प्रक्रिया सुनिश्चित करें। प्रदेश अध्यक्ष डॉ. जय प्रकाश नायक ने कहा कि इस सम्मेलन में शैक्षिक मुद्दों पर व्यापक चर्चा के साथ संगठनात्मक मजबूती पर भी विचार–विमर्श किया जाएगा।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रकः– श्रीमती पुष्पा शर्मा द्वारा बुद्धा प्रिन्टर्स , ज्योति नगर मधुकरपुर, निकट–हीरो होण्डा एजेन्सी, जनपद–सिद्धार्थनगर (उ0प्र0) 272207 से मुद्रित एवं प्रकाशित। सम्पादक– राजेश कुमार शर्मा

आर.एन.आई. नं.–UPHIN/2012/49458 9415163471, 9453824459 दैनिक बुद्ध का संदेश 9795951917,9415163471 @budhakasandesh budhakasandeshnews@gmail.com www.budhakasandesh.com

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी.एक्ट. के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन समस्त विवाद जनपद–सिद्धार्थनगर न्यायालय के अधीन ही मान्य होगा।

सामंथा ने मां इंति बंगाराम की रिलीज डेट की घोषणा की

स्टार हीरोइन समंथा अभिनीत फिल्म मां इंटी बंगारम की रिलीज डेट आखिरकार तय हो गई है। फिल्म टीम ने आधिकारिक तौर पर घोषणा की है कि यह प्रतिष्ठित फिल्म 15 मई को दुनिया भर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी। लंबे अंतराल के बाद समंथा तेलुगु सिनेमा में नजर आ रही हैं, इसलिए इस फिल्म से काफी उम्मीदें हैं। इस फिल्म में वह एक मध्यमवर्गीय इल्लाली की भूमिका निभाएंगी और दमदार एक्शन सीक्वेंस में नजर आएंगी। ओह बेबी जैसी सुपरहिट फिल्में दे चुकीं नंदिनी रेड्डी इस फिल्म का निर्देशन कर रही हैं, जबकि समंथा अपनी प्रोडक्शन कंपनी ट्रालला मूविंग पिक्चर्स के बैनर तले इसका निर्माण कर रही हैं। इस फिल्म का निर्देशन जाने–माने निर्देशक राज निदिमोरु ने किया है और संगीत संतोष नारायणन ने दिया है। फिल्म में गुलशन देवैया, दिगंथ, गौतमी और श्रीमुखी जैसे प्रमुख कलाकार मुख्य भूमिकाओं में हैं। सामंथा ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक नया पोस्टर साझा करते हुए कैप्शन में लिखा, एक्शन से भरपूर गोल्डन हंट – इस गर्मी में सिनेमाघरों में मिलते हैं, जिससे प्रशंसकों में उत्साह और बढ़ गया है। उद्योग जगत के सूत्रों का मानना है कि गर्मियों की छुट्टियों को ध्यान में रखकर बनाई गई यह फिल्म सामंथा के करियर में एक और मील का पत्थर साबित होगी।

फिल्म राजा शिवाजी करेगी बंपर ओपनिंग? एडवांस बुकिंग में दिखा मजबूत प्रदर्शन

रितेश देशमुख ने अब तक हीरो, विलेन और कॉमिक किरदार निभाकर दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया है। पहली बार अभिनेता एक पीरियड ड्रामा फिल्म का हिस्सा बने हैं, जिसका निर्देशन भी उन्होंने खुद ही किया है। उनकी ऐतिहासिक फिल्म राजा शिवाजी 1 मई को सिनेमाघरों में उतरने के लिए बिल्कुल तैयार है। इससे पहले, फिल्म की एडवांस बुकिंग शुरू कर दी गई थी जिसमें फिल्म ने शानदार प्रदर्शन दिखाते हुए धाड़ाधड़ टिकटों को बेच डाला है।

सैकनिल्क के मुताबिक, राजा शिवाजी ने 30 अप्रैल की सुबह तक 76,467 से ज्यादा टिकट बेच दिए हैं। यह बिक्री मराठी 2डी, हिंदी 2डी और हिंदी 4डीएक्स को मिलकार कुल 3,587 शोज के लिए हुई है। इस तरह फिल्म ने रिलीज से पहले देशभर में 1.98 करोड़ रुपये का कारोबार कर लिया है। वहीं ब्लॉक सीटों के साथ फिल्म का कलेक्शन 2.66 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। बता दें, फिल्म हिंदी और मराठी भाषा में रिलीज हो रही है।

एडवांस बुकिंग से संकेत मिलता है कि राजा शिवाजी जबरदस्त शुरुआत करने के लिए तैयार है। संकेत यह भी बताते हैं कि फिल्म दोहरे आकंड़ों के साथ खाता खोलेगी, लेकिन देखना होगा कि क्या यह महाराष्ट्र के इतिहास में सबसे बड़ी ओपनिंग वाली फिल्मों को टक्कर दे पाएगी।

रिपोर्ट के मुताबिक, धुरंधर 2 ने 22 करोड़ के साथ क्षेत्रीय स्तर पर सबसे बड़ी ओपनिंग का रिकॉर्ड बनाया है। इसके साथ पुष्पा 2 (18 करोड़) और छावा (17 करोड़) है।

नंदिनी ठाकुर की नए शो में एंट्री, शब्बीर अहलूवालिया के साथ ओ हमनवा तुम देना साथ मेरा में निभाएंगी खास किरदार

टेलीविजन की दुनिया में हर नए शो के साथ दर्शकों को नई कहानियां और नए किरदार देखने को मिलते हैं। इन दिनों छोटे पर्दे पर एक नया शो ओ हमनवा तुम देना साथ मेरा चर्चा में बना हुआ है। अब इस शो से जुड़ी एक नई जानकारी सामने आई है।

दरअसल, अभिनेत्री नंदिनी ठाकुर भी इस कहानी का हिस्सा बनने जा रही हैं।

नंदिनी इससे पहले पुष्पा इम्पॉसिबल और उड़ने की आशा जैसे सीरियल्स में अपने अभिनय से दर्शकों का ध्यान खींच चुकी हैं। इस नए शो में नंदिनी ठाकुर ईशा नाम की एक युवा लड़की का किरदार निभाएंगी, जो निडर है, रचनात्मक सोच रखती है और अपनी बात खुलकर कहने में विश्वास करती है। अपने किरदार के बारे में बात करते हुए नंदिनी ठाकुर ने कहा, मुझे ईशा का किरदार शुरू से ही बेहद पसंद आया।

इस किरदार से मेरा एक अलग ही जुड़ाव है। ईशा सिर्फ अपने सपनों के पीछे भागने वाली लड़की नहीं है, बल्कि वह अपने आसपास के लोगों को भी आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती है। ईशा के अंदर महत्वाकांक्षा और दूसरों के प्रति संवेदनशीलता है और यही बात इस किरदार को खास बनाती है। शो में ईशा एक डिजाइनिंग दफ्तर में काम करती हुई नजर आएगी।

वहां वह अपने साथ काम करने वाले लोगों को नई चीजें बनाने और रचनात्मक तरीके से सोचने में मदद करती है। नंदिनी ने कहा, यह किरदार आज के युवाओं की सोच और आत्मविश्वास को काफी अच्छे तरीके से दिखाता है। इस शो में शब्बीर अहलूवालिया, श्रीति झा और ऐश्वर्या राज भाकुनी भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे।

कहानी अपराजिता (श्रीति झा) के इर्द–गिर्द घूमती है, जो एक कड़वे अतीत के बाद अपनी जिंदगी फिर से शुरू करती है। इस दौरान उसकी मुलाकात रक्षित (शब्बीर अहलूवालिया) नाम के एक बिजनेसमैन से होती है, जिसने प्यार से दूरी बना ली है। धीरे–धीरे दोनों की जिंदगी एक–दूसरे से जुड़ने लगती है। ओ हमनवा तुम देना साथ मेरा सोमवार से रविवार, रात 8:00 बजे स्टार प्लस और जियो हॉटस्टार पर प्रसारित होता है।

भूत बंगला ने दुनियाभर में काटा गदर, 13वें दिन 200 करोड़ के हुई पार, तोड़े स्त्री और थामा के रिकॉर्ड्स

दो हफ्ते पहले रिलीज हुई अक्षय कुमार और प्रियदर्शन की रीयूनियन फिल्म भूत बंगला दूसरे हफ्ते में भी शानदार परफॉर्म कर रही है और नए रिकॉर्ड भी अपने नाम कर रही है. वहीं रिलीज के 13वें दिन इस फिल्म ने वर्ल्डवाइड न केवल एक बड़ा आंकड़ा छू लिया. बल्कि स्त्री को भी पछाड़ दिया. जानते हैं हॉरर–कॉमेडी जॉनर की भूत बंगला ने रिलीज के 13वें दिन दुनियाभर में कितना कलेक्शन किया है?

भूत बंगला 17 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी. इससे एक दिन पहले इसके पेड प्रीव्यू शो रखे गए थे. अक्षय कुमार स्टारर इस फिल्म को दर्शकों से बेहद प्यार मिला और इसने भारत में अपने पहले वीकेंड में 58 करोड़ की नेट कमाई की. इसके बाद दूसरे शनिवार को इसने 100 करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया. वहीं दूसरे वीकेंड में भी फिल्म ने दमदार कमाई कर डाली. हालांकि दूसरे सोमवार को इसके कलेक्शन में गिरावट आई, लेकिन मंगलवार को इतने कमाई में तेजी दिखाई. वहीं दूसरे बुधवार को इसने घरेलू बॉक्स ऑफिस पर सैकनिल्क के आंकड़ो के मुताबिक 3.50 करोड़ की नेट कमाई की, जिससे इसका कुल भारतीय बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 124.50 करोड़ (147.90 करोड़ ग्रॉस) हो गया. फिल्म के कलेक्शन में तीसरे वीकेंड में कुछ इजाफा होने की उम्मीद है, लेकिन द डेविल वियर्स प्राडा 2 और राजा शिवाजी जैसी नई रिलीज इसकी कमाई को झटका दे सकती हैं.

भूत बंगला ने विदेशों में भी अच्छा परफॉर्म किया है. पेड प्रीव्यू शो और पहले दिन की एवरेज शुरुआत के बाद, इसने दूसरे और तीसरे दिन अंतरराष्ट्रीय क्षेत्रों में +1 मिलियन की कमाई की, 13 दिनों के बाद, फिल्म का विदेशी ग्रॉस कलेक्शन +5.6 मिलियन है. फिलहाल, विदेशों में फिल्म का प्रदर्शन लगभग ठप हो चुका है. अंतरराष्ट्रीय बाजार में इसकी रोज की कमाई 80,000 डॉलर से नीचे गिर गई है. फिर भी, इसका लक्ष्य कमाई कम होने से पहले 60 लाख डॉलर का आंकड़ा पार करना है. इसी के साथ बता दें कि फिल्म की वर्ल्डवाइड कमाई अब तक 200 करोड़ रुपये तक पहुंच चुकी है. इस के साथ, भूत बंगला साल 2026 में ये मील का पत्थर पार करने वाली तीसरी हिंदी फिल्म और कुल मिलाकर छठी भारतीय फिल्म बन गई है. यह हॉरर–कॉमेडी जल्द ही प्रभास की फिल्म द राजा साहब (208 करोड़ रुपये) को पीछे छोड़ने की कोशिश करेगी.

माइकल जैक्सन की बायोपिक माइकल ने 6वें दिन 2.30 करोड़ कमाए हैं, जिसके बाद भारत में कुल कारोबार 23.45 करोड़ रुपये हो गया है। अविनाश तिवारी की फिल्म गिन्नी वेड्स सन्नी 2 का हाल बेहाल है। 6वें दिन 9 लाख कमाने के बाद इसका कुल कलेक्शन 1.52 करोड़ रुपये हुआ है। उधर रणवीर सिंह की फिल्म धुरंधर 2 रुकने का नाम नहीं ले रही। इसने 42वें दिन 1 करोड़ कमाते हुए कुल 1,133.94 करोड़ रुपये का कारोबार कर लिया है।

गर्मियों के दौरान पेट की समस्याएं क्यों बढ़ जाती हैं? जानिए कारण

गर्मियों में पाचन तंत्र पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है, जिसके कारण पेट की समस्याएं बढ़ जाती हैं। इस मौसम में लू और पानी की कमी के कारण भी पेट की समस्याएं हो सकती हैं। इसके अलावा, गर्मियों में कई लोग तले हुए और अधिक तेल वाले खाद्य पदार्थ खाना पसंद करते हैं, जो पाचन के लिए ठीक नहीं होते। आइए जाने कि गर्मियों में पेट की समस्याएं क्यों बढ़ जाती हैं।

खान–पान में लापरवाही

गर्मियों में खाने–पीने का ध्यान रखना बहुत जरूरी है, क्योंकि इस मौसम में सही तरीके और सही समय पर खाना बेहद जरूरी है। दरअसल, गर्मियों में लोग अपनी भूख को नजरअंदाज कर देते हैं और जब भूख लगती है तो कुछ भी खा लेते हैं, जो पाचन तंत्र को प्रभावित कर सकता है। इसके अलावा, लोग तले हुए और तेल वाले खाद्य पदार्थ खाना भी पसंद करते हैं, जो पेट के लिए ठीक नहीं होते।

पानी की कमी

गर्मियों में शरीर में पानी की कमी और लू जैसी समस्याएं पेट की समस्याओं का कारण बन सकती हैं। इनसे बचने के लिए दिनभर में पर्याप्त मात्रा में पानी जरूर पिएं। इसके अलावा शरीर में पानी की कमी को पूरा करने के लिए नारियल पानी, नींबू पानी और ताजे फलों का रस भी पी सकते हैं। इसके साथ ही तरबूज, खरबूज और खीरे जैसी पानी से भरपूर सब्जियां और फलों का सेवन करें।

खाने के तुरंत बाद पानी पीना

खाने के तुरंत बाद पानी पीने की आदत भी पेट की समस्याओं का कारण बन सकती है। अगर आप खाने के तुरंत बाद पानी पीते हैं, तो इस आदत को सुधार लें। खाने के एक घंटे बाद ही पानी पिएं। खाने के दौरान पानी पीने से पाचन पर बुरा असर पड़ता है और इससे गैस बनने की संभावना बढ़ जाती है। इससे कब्ज और अपच जैसी पेट की समस्याओं का भी खतरा बढ़ जाता है।

बाहर का खाना

गर्मियों में बाहर का खाना खाने से बचें क्योंकि इस मौसम में बाहर का खाना जल्दी खराब हो जाता है और इससे खाने की खराबी होने की संभावना बढ़ जाती है। खाने की खराबी के कारण उल्टी, दस्त, पेट दर्द और मतली जैसी कई समस्याएं हो सकती हैं। बेहतर होगा कि आप बाहर के खाने की बजाय घर का बना भोजन खाएं और घर का बना भोजन भी ताजा खाएं।

ताजे फलों का सेवन

गर्मियों में तरबूज, खरबूज और खीरे जैसे ताजे फल मिल जाते हैं। ये फल स्वादिष्ट होने के साथ ही पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं। तरबूज में विटामिन–सी, विटामिन–ए और पोटेशियम की अधिक मात्रा होती है। खरबूज में विटामिन–सी, विटामिन–ए और फोलेट पाया जाता है। खीरे में भी विटामिन–सी और पोटेशियम की अधिक मात्रा होती है। इन फलों का सेवन करने से शरीर को हाइड्रेट रखने में मदद मिल सकती है।